आज का विचार
संबंध कभी भी मीठी आवाज या सुंदर चेहरे से नही टिकते, वो टिकते है सुंदर ह्रदय और कभी न टूटने वाले विश्वास से।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शुक्रवार, 8 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 110, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पंजाब के 700 किसानों की मौत के लिए भाजपा जिम्मेदार, केंद्र सरकार रोज पंजाब विरोधी फैसले ले रही है: भगवंत मान

10 लाख रुपए का कैशलेस इलाज और महिलाओं के लिए 1000-1500 रुपए की सम्मान राशि दी: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
अमृतसर

चार दिवसीय शुक्राना यात्रा आज दूसरे दिन पवित्र नगरी अमृतसर पहुंची। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ आम आदमी पार्टी की सरकार लोक सेवा की राजनीति कर रही है और दूसरी तरफ भाजपा पंजाब विरोधी राजनीति खेल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सिर्फ चार सालों के अंदर मुफ्त बिजली, 65,000 सरकारी नौकरियां, खेतों तक नहरी पानी, 10 लाख रुपए की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना और महिलाओं के लिए मासिक सम्मान राशि प्रदान की है।वहीं केंद्र में बैठी भाजपा बार-बार पंजाब विरोधी फैसले लेकर पंजाबियों के साथ धोखा कर रही है।

किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की मौत पर भाजपा पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा, जिन्होंने अन्नदाताओं की आवाज को कुचला और राज्य के अधिकारों, संसाधनों तथा पहचान को ठेस पहुंचाने की कोशिश की।

शुक्राना यात्रा के दूसरे दिन रईआ और अन्य स्थानों पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा की पंजाब विरोधी मानसिकता कई बार सामने आ चुकी है।उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की मौत हुई, पंजाब की झांकियों को रोकने की कोशिशें की गईं, बीबीएमबी के जरिए पंजाब के पानी को जबरन हरियाणा को देने की कोशिशें, पंजाब यूनिवर्सिटी को छीनने की साजिश, चंडीगढ़ पर

कब्जा करने की साजिश और आम आदमी क्लीनिकों को बंद करने की कोशिशें की जा रही हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा नफरत और फूट डालो राजनीति पर चलती है।उन्होंने कहा कि अकाली दल और भाजपा के बीच कोई भी नया गठजोड़ एक बार फिर साबित करेगा कि दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।उन्होंने सावधान किया कि अगर ऐसा गठजोड़ दोबारा बन गया तो पंजाब के लिए घातक होगा क्योंकि यह गठजोड़ पंजाबियों की भलाई के बजाय केवल राजनीतिक बचाव और स्वार्थ से चलता है। उन्होंने जोर देकर कहा, यह अपवित्र गठजोड़ पंजाब विरोधी है और दोनों पार्टियां अंत में एक-दूसरे को राजनीतिक रूप से तबाह कर देंगी।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को अब कम से कम 10 साल की कैद की सजा होगी, जो उम्रकैद तक बढ़ सकती है और साथ ही 50 लाख रुपए तक का जुमार्ना भी हो सकता है।

उन्होंने सवाल किया कि पिछली सरकारें पहले इतना सख्त कानून क्यों नहीं बना सकीं, क्योंकि उनकी नियत में खोट था। मुख्यमंत्री ने कहा, ये सरकारें खुद बेअदबी की घटनाओं की गुनाहगार हैं और यहां तक कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे श्रद्धालुओं पर गोली चलाने का आदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बाद में इनाम और तरक्की दी गई।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल और बादल परिवार आज राजनीतिक रूप से खैर-खैर हो चुके हैं क्योंकि परमात्मा की अदालत में इंसाफ होता है। लोगों के निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि अकालियों और कांग्रेस के संदिग्ध राजनीतिक चरित्र के कारण इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान में कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं 'ऑपरेशन सिंदूर' अंत नहीं शुरूआत : सेना

पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है। सेना ने दो टूक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरूआत है।

जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया।

पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि आत्मनिर्भर भारत केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे हैं।

राजीव घई ने कहा कि 7 मई, 2025 को शुरू हुए अभियान के दौरान भारतीय सेना ने सात और भारतीय वायु सेना ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था। इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची और 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी। आतंकवादी कैंपों का स्थान बदलते रहने और उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजीव घई ने प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। राजीव घई ने कहा कि भारत ने अपने स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद संघर्ष को अनावश्यक रूप से लंबा नहीं खींचा। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे युद्धों ने यह दिखाया है कि लंबे संघर्ष किस प्रकार विनाशकारी हो सकते हैं। भारत ने संतुलित लेकिन तीव्र कार्रवाई के माध्यम से पाकिस्तान की जोखिम लेने की क्षमता और इच्छा दोनों को प्रभावित किया।एयर मार्शल अवधेश कुमार ने कहा कि भारत हमेशा जियो और जीने दो के सिद्धांत में विश्वास करता है, लेकिन जब शांति की इच्छा को कमजोरी समझा जाए और संयम को निष्क्रियता माना जाए, तब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है।उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट था और इसमें किसी प्रकार की नरमी की गुंजाइश नहीं रखी गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया। भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रूप से बेहद संतुलित, सटीक और प्रभावी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया।

बचाव कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : योगी आदित्यनाथ

हमीरपुर नाव हादसा: लापता लोगों की जल्द हो तलाश

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के जनपद हमीरपुर के कुरारा क्षेत्र में नाव पलटने की घटना में लापता लोगों की जल्द से जल्द तलाश की जाए और बचाव व राहत कार्य युद्धस्तर पर संचालित किए जाएं।इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्यों की निगरानी करें। यह निर्देश बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए।

हमीरपुर के कुरारा क्षेत्र में हुए नाव हादसे का मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए और सभी एजेंसियां समन्वय बनाकर काम करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए और घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लापता लोगों की खोज के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा गया है।

उन्होंने जिला प्रशासन को दुर्घटना के कारणों की गहन जांच करने और भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन को स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने को भी कहा गया है।

यमुना में नाव पलटने से 3 की मौत, 3 बच्चे अब भी लापता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र में यमुना नदी में नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार शाम हुए इस हादसे में महिला और बच्चों समेत 10 लोग नाव में सवार थे। नाविक ने तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया, लेकिन एक महिला और पांच बच्चे नदी में लापता हो गए। गुरुवार सुबह शुरू हुए रेस्क्यू अभियान में तीन शव बरामद किए गए, जबकि तीन बच्चे अब भी लापता हैं। यह हादसा कुरारा थाना क्षेत्र की भौली ग्राम पंचायत के मजरा कुतुबपुर पटिया गांव में हुआ। गांव निवासी देशराज निषाद की बेटी की शादी 5 मई को थी। शादी समारोह में शामिल होने आए रिश्तेदार बुधवार शाम विदाई के बाद नाव से यमुना नदी पार कर खेतों पर खरबूजा और ककड़ी तोड़ने गए थे। लौटते समय बीच मझधार में नाव अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव में महिला-बच्चों समेत कुल 10 लोग सवार थे। नाविक धीरू ने नदी में छलांग लगाकर विष्णु, रिंकू और पारुल को सुरक्षित बचा लिया, लेकिन आकांक्षा (9), रानी (13), अर्चना (14), ब्रजरानी (25), लभ्यांश (5), गोरेलाल (6) और आदित्य (11) नदी में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन,एसडीआरएफ,एनडीआरएफ और जल पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय गोताखोरों की मदद से रात तक रेस्क्यू अभियान चलाया गया, लेकिन तेज आंधी और बारिश के कारण रात करीब 11 बजे अभियान रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह 6 बजे दोबारा रेस्क्यू शुरू किया गया।

वैश्विक फल बाजार में पहचान के लिए गुणवत्ता, प्रोसेसिंग और निर्यात मानकों पर देना होगा जोर: शिवराज चौहान

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

लखनऊ के आईसीएआरझ्रकेंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में गुरुवार को आयोजित फ्रूट होराइजन 2026 कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अब केवल ज्यादा उत्पादन से बात नहीं बनेगी, बल्कि भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए गुणवत्ता, शेल्फ लाइफ, प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और

निर्यात मानकों पर गंभीरता से काम करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने जोर दिया कि खेती को खेत तक सीमित नहीं रखा जा सकता। अब उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, बाजार और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को मजबूत करना समय की मांग है।

इस कार्यक्रम में किसानों के साथ ही फल उत्पादन तथा निर्यात सहित इसके कारोबार से जुड़े सभी हितधारकों के साथ सीधा संवाद करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारत अगर दुनिया के फल बाजार में आगे बढ़ना चाहता है, तो फलों की गुणवत्ता सुधारना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि शेल्फ लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन करने पर अब विशेष ध्यान देना होगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिक संस्थान, निर्यातक, एपीडा और अन्य संबंधित एजेंसियां मिलकर एक टास्क फोर्स बनाएंगी।

अगस्त से शुरू होगी ट्रेनों की नई आरक्षण प्रणाली में शिफ्टिंग: वैष्णव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि 40 साल पुराने यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) से नई उन्नत प्रणाली में ट्रेनों की शिफ्टिंग के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। रेल भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे। बैठक में नई आरक्षण प्रणाली के क्रियान्वयन और उसकी क्षमता विस्तार की प्रगति की समीक्षा की गई।

रेल मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 1986

में शुरू हुई मौजूदा आरक्षण प्रणाली में पिछले चार दशकों के दौरान कई छोटे बदलाव किए गए थे लेकिन अब इसे अत्याधुनिक तकनीक के साथ पूरी तरह अपग्रेड किया गया है। नई प्रणाली की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2002 में इंटरनेट आधारित टिकटिंग सेवा शुरू की थी। वर्तमान में लगभग 88 प्रतिशत टिकट बुकिंग ऑनलाइन माध्यमों से हो रही है और अधिकांश यात्री टिकट काउंटरों पर जाने के बजाय डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं।

रेल मंत्रालय ने बताया कि ह्यरेलवनह्ल मोबाइल ऐप यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए इस ऐप को एक वर्ष से कम समय में 3.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड मिले हैं। ऐप की प्रमुख विशेषताओं में टिकट बुकिंग, कैंसिल, रिफंड, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट सुविधा, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, प्लेटफॉर्म और कोच की जानकारी, रेल मदद सेवा तथा सीट पर भोजन डिलीवरी जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

मंत्रालय के अनुसार, ऐप में प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों के कन्फर्म होने की संभावना बताने के लिए एआई आधारित फीचर भी जोड़ा गया है।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर वीर जवानों को किया नमन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत अनेक केंद्रीय मंत्रियों और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट संकल्प का प्रतीक बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद तथा भारत की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा को चुनौती देने वाली शक्तियों के खिलाफ देश के अडिग संकल्प का प्रमाण है। इस मिशन की असाधारण सफलता भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प को दशार्ती है। पहलगाम में हुए क्रूर हमले का जवाब ह्लउचित और अनुकरणीय सटीकताह्व के साथ दिया गया तथा भारत अपने दुश्मनों को करारा जवाब देने के लिए सदैव तैयार है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना के असाधारण शौर्य का प्रतीक बताते हुए जवानों और अधिकारियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के विरुद्ध भारत का साहसिक और सक्रिय प्रतिशोध था, जिसने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंक के हर स्वरूप के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी इस अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत का एक युगांतरकारी मिशन है, जो दुश्मनों को भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता की याद दिलाता रहेगा। इतिहास इस दिन को भारतीय सेना की सटीक कार्रवाई, खुफिया एजेंसियों की

सूक्ष्म रणनीति और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान दुश्मनों के लिए स्पष्ट संदेश है कि वे कहीं भी छिप जाएं, भारत की नजर और प्रहार से बच नहीं सकते।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों ने अपनी वीरता का प्रदर्शन किया और लोगों पर हमला करने वालों को कड़ा जवाब दिया। प्रत्येक भारतीय को हमारी सशस्त्र सेनाओं पर गर्व है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन किया।केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की निर्णायक इच्छाशक्ति, सामरिक क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि वह अपने नागरिकों के खिलाफ षड्यंत्र करने वालों को करारा जवाब देता है।यह अभियान केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि ह्लसिंदूरह्व के सामर्थ्य और नारी शक्ति का भी प्रतीक बना।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 145 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, अदम्य इच्छाशक्ति और सशस्त्र सेनाओं के असाधारण पराक्रम की गौरवशाली अभिव्यक्ति है। उन्होंने इसे ह्लनए भारतह्व के आत्मविश्वास, साहस और निर्णायक नेतृत्व का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से कोई समझौता नहीं करता।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर वीर जवानों की अदम्य वीरता, अटूट संकल्प और अप्रतिम शौर्य को शत-शत नमन करते हुए कहा कि यह अभियान राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और संप्रभुता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना के शौर्य और साहस का गौरवशाली अध्याय बताते हुए उन सभी पराक्रमी योद्धाओं का वंदन किया, जिन्होंने देश की आन-बान-शान को अक्षुण्ण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अटल टनल ने लाहौल-स्पीति को विकास और पर्यटन की नई पहचान दी : राज्यपाल

पर्यटन की वैश्विक पहचान बना लाहौल-स्पीति, राज्यपाल बोले- टनल ने बदली घाटी की तकदीर

कनेक्टिविटी से समृद्ध हुआ जनजातीय जीवन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने गुरुवार को लाहौल-स्पीति एवं मनाली प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध अटल टनल, रोहतांग, का दौरा कर इसकी तकनीकी विशेषताओं, सामरिक महत्त्व तथा क्षेत्रीय विकास में इसकी भूमिका की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अटल टनल सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित आधुनिक इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक तकनीक का अद्भुत उदाहरण है। इससे हिमालयी क्षेत्र में विकास और सम्पर्क के नए आयाम स्थापित हुए हैं। राज्यपाल ने साउथ पोर्टल से नॉर्थ पोर्टल तक टनल का अवलोकन किया तथा बीआरओ अधिकारियों से इसके निर्माण, सुरक्षा प्रबंधन और संचालन संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें वर्षभर यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए अपनाई जा रही व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि यह परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच का साकार रूप है। उन्होंने कहा कि अटल टनल केवल एक सुरंग नहीं, बल्कि देश की सामरिक मजबूती, सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और जनसुविधा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस सुरंग के निर्माण से जिला लाहौल-स्पीति अब वर्षभर देश से जुड़ा रहता है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आवश्यक सेवाओं में बड़ी सुविधा प्राप्त हुई है। राज्यपाल ने कहा कि अटल टनल के निर्माण के बाद क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिली है और देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय रोजगार एवं अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। राज्यपाल ने सिस्सू झील एवं वॉटरफॉल का भी दौरा किया। उन्होंने लाहौल घाटी की मनोरम प्राकृतिक छटा की सराहना करते हुए कहा कि सिस्सू आज प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशेष पहचान बना चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत का आतंकवाद पर सख्त संदेश दियाः राज्यपाल

शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, पराक्रम और पेशेवर क्षमता की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं था, दुनिया को भारत का स्पष्ट संदेश था कि देश आतंकवाद के सामने कभी झुकेगा नहीं। राज्यपाल ने गुरुवार को कहा कि 7 और 8 मई 2025 की दरम्यानी रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक और योजनाबद्ध कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्भुत साहस और पेशेवर क्षमता का परिचय दिया। राज्यपाल के अनुसार इस अभियान ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति को नई दिशा दी और यह दिखाया कि देश अब केवल रणनीतिक संयम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जरूरत पड़ने पर निर्णायक और सक्रिय कदम उठाएगा। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सेना ने इस अभियान में अपनी गहरी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों और 11 एयरफील्ड को निशाना बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि दुश्मन भारत की सैन्य संपत्तियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका। इस अभियान में ब्रह्मोस और आकाश जैसे स्वदेशी हथियारों और तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिससे भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी सामने आई।

प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से त्रस्त, पंचायत चुनावों में जवाब देने को तैयार : डॉ. राजीव बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि आज से पूरे हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 7, 8 और 11 मई को वार्ड पंच, उपप्रधान, प्रधान, बीडीसी तथा जिला परिषद पदों के लिए नामांकन भरे जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला परिषद चुनावों के लिए प्रदेशभर में समर्थित उम्मीदवारों की सूची पहले ही जारी की जा चुकी है।

इसी क्रम में नाहन विधानसभा क्षेत्र के बनला वार्ड से भाजपा समर्थित उम्मीदवार अंकिता शर्मा के नामांकन के अवसर पर डॉ. बिंदल सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट कार्यालय, नाहन पहुंचे। उन्होंने कहा कि अंकिता शर्मा आज भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल कर रही हैं और क्षेत्र की जनता का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। डॉ. बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू के नेतृत्व वाली सरकार के तीन वर्षों के कार्यकाल से प्रदेश का जनमानस दुखी और त्रस्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 1500 प्रतिमाह देने की गारंटी देकर वोट हासिल किए, लेकिन 42 महीने बीत जाने के बाद भी महिलाओं को एक फूटी कौड़ी नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पर प्रत्येक महिला का

60,600 बकाया हो चुका है और अब महिलाएं पंचायत चुनावों में कांग्रेस को जवाब देने के लिए तैयार बैठी हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं से पहली कैबिनेट में एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया गया था, लेकिन आज तक युवाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिला। युवा वर्ग सड़कों पर उतरकर विरोध करने को मजबूर है। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा, मेडिकल बिल लंबित पड़े हैं और पेंशनर्स अपनी पेंशन के लिए दर-दर भटक रहे हैं। किसान और बागवान भी वर्तमान सरकार की नीतियों से निराश हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री कई बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार कर चुके हैं कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन नहीं है। ऐसे में जनता के मन में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब कांग्रेस सरकार के पास सड़क, बिजली, पानी और अन्य विकास कार्यों के लिए संसाधन ही नहीं हैं, तो कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को वोट देने का क्या औचित्य रह जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि पंचायत चुनावों में प्रदेश की जनता भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को भारी समर्थन देगी और कांग्रेस सरकार को उसके वादाखिलाफी वाले रवैये का जवाब देगी।

कठुआ में दिनदहाड़े बैग काटकर 45 हजार उड़ाए, बढ़ते अपराध से लोगों में दहशत

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

कठुआ शहर में चोरी, लूटपाट और डकैती जैसी वारदातों में लगातार बढ़ोतरी चिंता का विषय बनती जा रही है। ताजा मामला जेके बैंक पारलीबंड शाखा के बाहर सामने आया है जहां अज्ञात चोरों ने बड़ी चालाकी से किरण निवासी वार्ड 9 कठुआ नामक महिला के बैग को काटकर 45 हजार रुपये उड़ा लिए।

जानकारी के अनुसार एक महिला अपनी माता के साथ जेके बैंक पारलीबंड शाखा से 45 हजार रुपये निकालकर बाहर निकली। पैसे बैग में रखने के बाद वे पास की एक जूस की दुकान पर रुकीं। इसके बाद जब वे अपने घर की ओर लौट रही थीं तो घर के पास पहुंचने पर उन्होंने देखा कि उनके बैग के दोनों तरफ ब्लेड या नुकीले औजार से कट लगाए गए थे और अंदर रखा पैसों का लिफाफा गायब था। महिला का कहना है कि उसने पूरे समय बैग अपने हाथ में ही रखा था लेकिन बाजार में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर अज्ञात गिरोह ने वारदात को अंजाम दिया। घटना की शिकायत कठुआ पुलिस थाने में दर्ज करवा दी गई है। पुलिस अब बैंक और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद काफी रोष और डर का माहौल है। लोगों का कहना है कि पहले शांत माने जाने वाला कठुआ अब असुरक्षित होता जा रहा है। बढ़ते नशे की लत के कारण कुछ युवा अपराध की राह पर बढ़ रहे हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक से पैसे निकालते समय विशेष सतर्कता बरतें और अपने सामान को सुरक्षित रखें। वहीं, इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

बनी में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम, नशा मुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

कठुआ/बनी। उपमंडल बनी में नशे के खिलाफ जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल लोवांग में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एसडीएम बनी संदीप कुमार शर्मा के निर्देशों पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सीडीपीओ आदित्य कृष्ण डोगरा और स्कूल की प्रिंसिपल संजीवता आनंद सहित लेक्चरर, मास्टर, शिक्षक और आईसीडीएस कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया। स्थानीय प्रशासन की इस पहल को छात्रों और शिक्षकों ने सराहा और इसे समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पीएमजीएसवाई में बेहतरीन काम के लिए हिमाचल को राष्ट्रीय सम्मान : विक्रमादित्य

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 9 मई को मध्य प्रदेश के सीहोर में आयोजित कार्यक्रम में दिया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को बेहतर क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए चुना है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बढ़ाने के मामले में बेहतर प्रदर्शन किया। इसी के तहत राज्य को 46 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली है। इसके अलावा पीएमजीएसवाई-4 के अंतर्गत प्रदेश की 250 बस्तियों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए 2247 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वर्ष 2000 से अब तक सभी सरकारों ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क मजबूत करने के लिए काम किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है। उन्होंने इसे प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार डोडरा-क्वार, लाहौल-स्पीति, छोटा और बड़ा भंगाल जैसे दुर्गम क्षेत्रों तक भी सड़क पहुंचाने का कार्य कर रही है, ताकि दूरदराज के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। जिला परिषद चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवार उतारे जाने के सवाल पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि आमतौर पर ये चुनाव पार्टी सिंबल पर नहीं लड़े जाते, बल्कि विचारधारा के आधार पर होते हैं। हालांकि कांग्रेस इस मुद्दे पर पार्टी स्तर पर चर्चा कर आगे की रणनीति तय करेगी। मंडी और अन्य क्षेत्रों में लोगों द्वारा नामांकन न भरने और चुनाव बहिष्कार की बात पर उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। कई जगहों पर नगर निगम बनने के बाद टैक्स बढ़ने जैसे मुद्दों को लेकर लोगों में नाराजगी रहती है। सरकार लोगों से बातचीत करेगी और जरूरत पड़ने पर भविष्य में उचित फैसला लिया जाएगा। पंजाब में हुए ब्लास्ट को लेकर लगाए जा रहे राजनीतिक आरोपों पर लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि मामला संवेदनशील है और पूरी जानकारी के बिना कोई टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

संक्षिप्त-समाचार

खेलते-खेलते काल का ग्रास बने दो सगे भाई, देवामानल गांव में पसरा मातम

नाहन। सिरमौर जिले की ग्राम पंचायत देवामानल से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां एक दर्दनाक हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। यहाँ खड्ड के गहरे पानी में डूबने से दो मासूम सगे भाइयों की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार वीरदत्त का 8 वर्षीय आयन और उसका बड़ा भाई 9 वर्षीय अभिनव खड्ड के किनारे खेल रहे थे। इसी दौरान तंग रास्ते से पैर फिसलने के कारण छोटा भाई आयन सीधे पानी में जा गिरा। उसे डूबता देख बड़े भाई अभिनव ने बहादुरी दिखाते हुए उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि पानी गहरा होने के कारण दोनों ही उसकी चपेट में आ गए। हादसे का पता चलते ही जब तक बच्चों का पिता मौके पर पहुंचा, तब तक दोनों बच्चे पानी में बेसुध तैर रहे थे। आनन-फानन में उन्हें 108 एम्बुलेंस के माध्यम से नौहराधार अस्पताल ले जाया गया, परंतु चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। तहसीलदार नौहराधार ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और प्रशासन की ओर से 25-25 हजार रुपये की फौरी राहत राशि देने की घोषणा की है। मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी राजगढ़ विद्या चंद नेगी ने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। बच्चों के शवों का राजगढ़ अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शवों को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कठुआ में प्रशासन ने मेडिकल दुकानों व कूरियर सेवाओं का किया औचक निरीक्षण

कठुआ। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जिला प्रशासन कठुआ ने गुरुवार को जिले भर में मेडिकल दुकानों और कूरियर सेवा केंद्रों पर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य नशीले एवं मनोदैहिक पदार्थों की अवैध तस्करी पर रोक लगाना और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना रहा। यह अभियान अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ विशवजीत सिंह के नेतृत्व में चलाया गया जिसमें तहसीलदार कठुआ, एआरटीओ कठुआ, सहायक औषधि नियंत्रक कठुआ तथा अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान दवाइयों की बिक्री और वितरण से जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच की गई। विशेष रूप से नियंत्रित और शेड्यूल्ड दवाओं पर फोकस रखते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि किसी प्रकार की अनियमितता न हो। इसके साथ ही कूरियर सेवा केंद्रों पर आने-जाने वाले पार्सलों की अचानक जांच भी की गई, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या प्रतिबंधित पदार्थों की आवाजाही का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने कूरियर संचालकों को नियमों का सख्ती से पालन करने और पार्सलों की जांच में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

हिमाचल में पंचायत चुनावों के लिए नामांकन शुरू, तीन चरणों मे होगा मतदान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के लिए गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग के तय कार्यक्रम के तहत उम्मीदवार आज 7, 8 और 11 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 12 मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 14 और 15 मई को उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। 15 मई को ही अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। प्रदेश की 3754 पंचायतों में होने वाले इन चुनावों को सत्ता के सेमिफाइनलके रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि माना जाता है कि पंचायत चुनावों में मजबूत पकड़ बनाने वाले नेताओं की राह आगे विधानसभा चुनावों में भी आसान हो जाती है। यही वजह है कि सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों दल पंचायत स्तर तक पूरी ताकत झोंके हुए हैं। इस बार पंचायत चुनावों में कई दिलचस्प तस्वीरें भी सामने आई हैं। सरकारी सेवाओं से सेवानिवृत्त कर्मचारी और अधिकारी भी चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। कई पूर्व अधिकारी पंचायत प्रधान पद के लिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर राजनीतिक दलों के भीतर गुटबाजी भी खुलकर दिखाई दे रही है। कई जगहों पर ऐसे नेताओं ने अपने समर्थित उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जो पार्टी के दूसरे धड़ों से नाराज बताए जा रहे हैं। इससे कांग्रेस और भाजपा दोनों की चिंता बढ़ी हुई है। राज्य में कुल 31 हजार से ज्यादा पदों के लिए चुनाव होने हैं। इनमें पंचायत सदस्य, प्रधान, उपप्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य शामिल हैं। लगभग हर पंचायत में वार्ड सदस्य से लेकर प्रधान और जिला परिषद तक के पदों पर कई उम्मीदवार चुनावी रण में उतर चुके हैं।

सैनिक स्कूल नगरोटा ने जीती रक्षा मंत्री ट्रॉफी, एनडीए में भेजने पर 17 साल बाद मिला प्रतिष्ठित सम्मान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सैनिक स्कूल नगरोटा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित रक्षा मंत्री ट्रॉफी-2025 अपने नाम की है। यह ट्रॉफी एनडीए 154 कोर्स में सबसे अधिक प्रतिशत में कैडेट्स को नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) भेजने के लिए प्रदान की गई। यह प्रतिष्ठित सम्मान सैनिक स्कूल नगरोटा के प्रिंसिपल कैप्टन (आईएन) शिबु देवासिया को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 7 मई को केरल के सैनिक स्कूल कझाकूट्टम में आयोजित ऑल इंडिया प्रिंसिपल्स कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया। गौरतलब है कि इससे पहले स्कूल को यह सम्मान वर्ष 2009 में मिला था। लगभग 17 वर्षों बाद दोबारा यह ट्रॉफी हासिल करना संस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। एनडीए 154 कोर्स में स्कूल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। कुल 35 कैडेट्स ने यूपीएससी एनडीए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की, जिनमें से 11 कैडेट्स ने एसएसबी इंटरव्यू भी सफलतापूर्वक पास किया और अखिल भारतीय रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किए।

सांसद अनुराग ठाकुर ने वंदे मातरम को वैधानिक संरक्षण देने के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दिए जाने पर प्रसन्नता और आभार व्यक्त किया। इस संशोधन के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को अब राष्ट्रगान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह ऐतिहासिक निर्णय लंबे समय से उठ रही राष्ट्रीय मांग को पूरा करता है और प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है, जिसके हृदय में वंदे मातरम् के प्रति सम्मान और आस्था है। इस संशोधन के माध्यम से वर्ष 1875 में बंकिम चंद्र चैटर्जी द्वारा रचित तथा वर्ष 1950 में राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किए गए वंदे मातरम् को जानबूझकर किए गए अपमान, अवरोध या अनादर के विरुद्ध समान कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। यह कदम भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की गरिमा को और सशक्त करेगा तथा राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान की तरह इसके संरक्षण को भी प्रभावी बनाएगा। वंदे मातरम् की 150वीं जयंती के अवसर पर लिया गया यह निर्णय स्वतंत्रता संग्राम में इसकी प्रेरणादायी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में इसकी महत्ता को और मजबूत करता है। अनुराग सिंह ठाकुर ने इस विषय को लोकसभा के बजट सत्र के दौरान रूल 377 के माध्यम से प्रमुखता से उठाया था।

उन्होंने अपने प्रस्ताव में वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व, इसकी राष्ट्रीय एकता में भूमिका तथा इसके सम्मान की रक्षा हेतु वैधानिक प्रावधान की आवश्यकता पर जोर दिया था। अनुराग ठाकुर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का भी त्वरित सहयोग और शीघ्र कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है, जिसने असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरणा दी।

डीआईजी ने रेलवे पुलिस कश्मीर के आधिकारिक दौरे के दौरान व्यापक सुरक्षा समीक्षा की

श्रीनगर। रेल उप महानिरीक्षक (डीआईजी) जाहिद नसीम मनहास ने आज रेलवे पुलिस कश्मीर क्षेत्रीय मुख्यालय के आधिकारिक दौरे के दौरान व्यापक सुरक्षा समीक्षा की। उनके आगमन पर कश्मीर रेलवे पुलिस की एक टुकड़ी ने औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क पर परिचालन तत्परता और सुरक्षा प्रोटोकॉल का मूल्यांकन करने के लिए एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान मनहास ने कश्मीर रेलवे कॉरिडोर पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया विशेष रूप से आगामी सीजन में गतिविधि में संभावित वृद्धि को देखते हुए। उन्होंने वंदे भारत परियोजना की सुरक्षा में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए कश्मीर रेलवे पुलिस के सभी कर्मियों को औपचारिक रूप से बधाई दी और कहा कि इस प्रतिष्ठित ट्रेन सेवा का सफल और घटना-मुक्त संचालन बल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए डीआईजी ने विभिन्न एजेंसियों के मॉक ड्रिल की आवृत्ति बढ़ाने और स्थापित सुरक्षा एवं आकस्मिक योजनाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी।

हटली मोड़ में प्रदूषण के खिलाफ फूटा गुस्सा वरिष्ठ नागरिकों ने किया जोरदार प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

कठुआ के हटली मोड़ क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को लेकर गुरूवार को वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने प्रदूषण विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभाग की कथित लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि क्षेत्र में धूल-मिट्टी और प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है जिससे स्थानीय निवासियों को सांस संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके संबंधित विभाग समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। वरिष्ठ नागरिकों ने प्रशासन से मांग की कि प्रदूषण फैलाने वाले तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और क्षेत्रवासियों को जल्द राहत प्रदान की जाए। प्रदर्शन के दौरान यह भी सामने आया कि इससे पहले भी कई संगठनों और सामाजिक संस्थाओं ने इलाके में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाई थी लेकिन उनके प्रयास समय के साथ ठंडे बस्ते में चले गए और स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। हालांकि अब एक बार फिर एक संगठन ने इस मुद्दे को उठाते हुए आंदोलन शुरू किया है, जिससे क्षेत्र में उम्मीद जगी है कि इस बार प्रशासन समस्या को गंभीरता से लेकर प्रभावी कार्रवाई करेगा।

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जम्मू के अध्यक्ष को बताईं ट्रेडर्स की समस्याएं

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

ट्रेडर्स एसोसिएशन त्रिकुटा नगर जम्मू के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के ट्रेड सेल के सह-संयोजक अभिनव आनंद ने चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जम्मू के अध्यक्ष अरुण गुप्ता से मुलाकात कर व्यापारियों से जुड़े विभिन्न अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान व्यापारियों और दुकानदारों को पेश आ रही दैनिक समस्याओं, बाजार से जुड़े मुद्दों, आधारभूत ढांचे की कमियों, व्यापारिक नियमों तथा व्यापारिक संगठनों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों नेताओं ने व्यापारिक समुदाय के हितों की रक्षा और क्षेत्र में व्यापार अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अभिनव आनंद ने स्थानीय व्यापारियों की वास्तविक समस्याओं को उठाते हुए कहा कि व्यापारिक क्षेत्र की कठिनाइयों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं पर संबंधित अधिकारियों को समय रहते ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर अरुण गुप्ता ने व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद को मजबूत करने की पहल की सराहना भी की।

मौसम | हिमाचल में मौसम का मिजाज बिगड़ा

11 से 13 मई तक अंधड़ और भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी

किसानों और बागवानों को सतर्क रहने की सलाह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

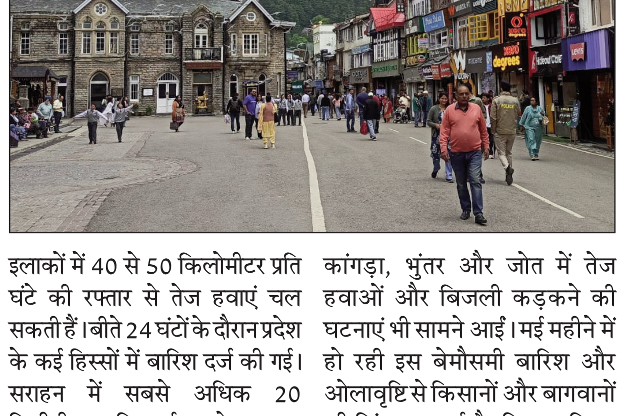

हिमाचल प्रदेश में मई महीने के दौरान भी मौसम के तेवर नरम पड़ते नहीं दिख रहे हैं। राज्य के कई हिस्सों में गुरूवार को भी बादल छाए हैं और कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज और कल प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। हालांकि 9 और 10 मई को मौसम साफ रहने का अनुमान है, लेकिन इसके बाद एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण 11, 12 और 13 मई को प्रदेश में बारिश, अंधड़ और बिजली कड़कने की संभावना है। विभाग ने इन तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। सराहन में सबसे अधिक 20 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा रोहड़ू में 12, पंडोह में 11, कसौली में 9, मंडी में 7 और सुजानपुर टीहरा में 6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, कांगड़ा, भुंतर और जोत में तेज हवाओं और बिजली कड़कने की घटनाएं भी सामने आईं। मई महीने में हो रही इस बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों और बागवानों की चिंता बढ़ गई है। शिमला जिला के ऊपरी इलाकों में ओलावृष्टि से सेब की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं निचले और मैदानी इलाकों में गेहूं की कटाई और मड़ाई का काम भी बारिश से प्रभावित हो रहा है। कई जगह खेतों में पड़ी गेहूं की फसल भीगने से खराब होने लगी है। बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का असर तापमान पर भी दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया है। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान केलांग में 3.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद कल्पा में 4.4, ताबो में 5.2, कुकुमसेरी में 5.1, कुफरी में 6.6, मनाली में 8.4, सराहन में 9.3, सियोबाग में 9.5, धर्मशाला में 10.6, शिमला में 12, डलहौजी में 12.4, सोलन में 13, पालमपुर में 13.5, चंबा में 13.6, जुब्बड़हट्टी में 14.2, सुंदरनगर में 14.5, मंडी में 14.6, कांगड़ा में 15.7, ऊना में 17.4 और बिलासपुर में 18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों में ज्यादा संवेदनशील बनें अधिकारी: मुख्य सचिव

माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम पर कार्यशाला

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने सभी उपायुक्तों, एसडीएम और जिला प्रशासनिक अधिकारियों से आह्वान किया है कि वे ह्माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007ह् के प्रावधानों के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील रहें तथा वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों का निपटारा पूरी प्रतिबद्धता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ करें।

मुख्य सचिव आज यहां ह्माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007ह् तथा ह्हरियाणा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण नियम, 2009ह् पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में उपायुक्तों, उपमंडल अधिकारियों (एसडीएम), विधि विशेषज्ञों तथा प्रदेशभर में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े कई सामाजिक संगठनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री रस्तोगी ने कहा कि पुरानी पीढ़ी ने वह दौर देखा है जब संयुक्त परिवार व्यवस्था में कई पीढ़ियां एक साथ रहती थीं और बुजुर्गों की देखभाल परिवार की स्वाभाविक जिम्मेदारी मानी जाती थी। उस समय माता-पिता की उपेक्षा सामाजिक रूप से अस्वीकार्य थी तथा परिवार के अन्य सदस्य बुजुर्गों को भावनात्मक और सामाजिक सहयोग प्रदान करते थे। लेकिन बदलती सामाजिक संरचना और संयुक्त परिवारों की जगह बढ़ते एकल परिवारों के कारण अब अनेक बुजुर्ग माता-पिता या तो केवल एक संतान पर निर्भर रह गए हैं या अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में उनके कल्याण के लिए संस्थागत सुरक्षा व्यवस्था और निरंतर निगरानी की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।

श्री रस्तोगी ने कहा कि यह कानून केवल बुजुर्ग माता-पिता के लिए आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने का कानूनी माध्यम नहीं है, बल्कि यह वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, गरिमा, स्वास्थ्य सेवाएं, आश्रय और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करने की सामाजिक एवं नैतिक प्रतिबद्धता भी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशालाएं अधिकारियों की समझ को मजबूत करने और मामलों के समयबद्ध निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन को वृद्धाश्रमों, वरिष्ठ नागरिक क्लबों, आपातकालीन आश्रय सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और जिला स्तरीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन को मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी वृद्धाश्रमों का पंजीकरण सुनिश्चित करने को भी कहा।

इस अवसर पर सेवा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी. अनुपमा ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में कानून-व्यवस्था और दैनिक प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय मानवीय शासन व्यवस्था की आधारशिला है और अधिकारियों को इस जिम्मेदारी का निर्वहन संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ करना चाहिए। कार्यशाला के दौरान ह्माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007ह् तथा ह्हरियाणा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण नियम, 2009ह् के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इन नियमों के तहत सामाजिक कार्यकताओं और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से ट्रिब्यूनल व्यवस्था का हिस्सा बनाया गया है। कल्याणकारी संस्थाओं से जुड़े सुलह अधिकारी परिवारों में उत्पन्न विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने में सहायता करते हैं और सफल समझौते पर उन्हें मानदेय भी प्रदान किया जाता है।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2025 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान 177 वरिष्ठ नागरिकों को भरण-पोषण भत्ता स्वीकृत किया गया। कार्यशाला में मेनटेनेंस ट्रिब्यूनल सिस्टम की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई।

हरियाणा के राज्यपाल से मिले 2025 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वर्ष 2025 बैच के छह आईएएस प्रोबेशनर्स, जिन्हें हरियाणा कैडर आवंटित किया गया है, ने आज यहां लोक भवन में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की।

प्रोबेशनर्स अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए राज्यपाल ने उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करने तथा अपनी सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. असीम कुमार घोष ने युवा अधिकारियों को लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुशासन सुनिश्चित करने, जनसेवाओं की प्रभावी एवं समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने तथा कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को आमजन तक उनकी वास्तविक भावना के अनुरूप पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

राज्यपाल ने आईएएस प्रोबेशनर्स को सार्वजनिक सेवा के दौरान मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

उन्होंने सभी अधिकारियों को उज्ज्वल एवं सफल प्रशासनिक करियर के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव विजय कुमार भाविकट्टी, कार्मिक, प्रशिक्षण एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव पंकज तथा आईएएस प्रोबेशनर्स अमिततेज पांगटे, मुस्कान श्रीवास्तव, शिवानी पांचाल, सोहम शैलेंद्र, विशाल सिंह और विवेक यादव उपस्थित थे।

हरियाणा में नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर 10 को वेतन सहित अवकाश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- संबंधित क्षेत्रों में पंजीकृत मतदाताओं के लिए रहेगा अवकाश

हरियाणा सरकार ने 10 मई, 2026 (रविवार) को नगर निकायों के आम चुनाव के मद्देनजर संबंधित क्षेत्रों में पंजीकृत मतदाताओं के लिए वेतन सहित अवकाश घोषित किया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों में मेयर तथा सभी वार्डों के पार्षदों के चुनाव, रेवाड़ी नगर परिषद में अध्यक्ष और पार्षदों के चुनाव तथा रोहतक जिले की सांपला, रेवाड़ी जिले की धारूहेड़ा और हिसार जिले की उकलाना नगर पालिकाओं में अध्यक्ष एवं पार्षदों के चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा। इसके अतिरिक्त छह रिक्त वार्डों में उपचुनाव भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें नगर परिषद टोहाना (फतेहाबाद) का वार्ड संख्या 17, नगर परिषद झज्जर का वार्ड संख्या 13, नगर पालिका राजौंद (कैथल) का वार्ड संख्या 11, नगर पालिका तरावड़ी (करनाल) का वार्ड संख्या 08, नगर पालिका कनीना (महेंद्रगढ़) का वार्ड संख्या 14 तथा नगर पालिका सढौरा (यमुनानगर) का वार्ड संख्या 09 शामिल हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-बी के तहत राज्य सरकार के उन कर्मचारियों, जो उपरोक्त क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता हैं, के लिए हरियाणा सरकार के सभी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों तथा शैक्षणिक संस्थानों में वेतन सहित अवकाश रहेगा, ताकि वे मतदान कर सकें। इसके साथ ही हरियाणा में स्थित कारखानों, दुकानों और निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत ऐसे कर्मचारी/श्रमिक, जो उक्त क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता हैं, उन्हें भी मतदान करने के लिए वेतन सहित अवकाश प्रदान किया जाएगा।

गेहूं कटाई के बाद फानों में आग लगाने वाले 19 किसानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एफआईआर करवाई जाएगी दर्ज: विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला के अलग अलग जगहों पर गेहूं कटाई के बाद फानों (फसल अवशेष) में आग लगाने वाले 19 किसानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। इसके साथ ही सभी 19 किसानों की मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रेड एंट्री दर्ज की गई है, अब ये किसान दो वर्ष तक अपनी फसल की बिक्री नहीं कर पाएंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय के एनआईसी वीडियो कांफ्रेंस हॉल में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित फानों (फसल अवशेष)जलाने की घटनाओं को समाप्त करने की दिशा में कार्य योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को फिल्ड में लगातार विजीट करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इस सीजन में अब तक जिला में 49 घटनाएं दर्ज होने की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। इन घटनाओं में से 20 जगह ऐसी पाई गई जहां पर आगजनी की कोई घटना नहीं घटी और एक स्थान पर कचरे में आग लगी हुई मिली है। उन्होंने बताया कि 9 किसानों ने पुलिस व अन्य विभागों को आगजनी होने की सूचना दी और आगजनी को काबू करने के प्रयास भी किए, वहीं 19 घटनाएं ऐसी पाई गई जहां पर गेहूं कटाई के बाद किसानों ने फसल अवशेष में खुद आग लगाई गई।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला प्रशासन ने फसल अवशेषों में आगजनी की घटनाओं को काबू पाने के लिए कई प्रकार की कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्राम लेवल कमेटी का गठन करके गांव स्तर पर किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आगजनी की घटनाओं से होने वाले नुकसान से अवगत करवाया गया। इसके साथ ही आगजनी करने वाले के खिलाफ होने वाली कार्रवाई की भी जानकारी मुहैया करवाई है। उन्होंने कहा कि इन टीमों द्वारा अपने-अपने गांवों में निगरानी भी रखी जा रही है। इसके अलावा ब्लॉक स्तर पर नोडल अधिकारी और उपमंडल स्तर की टीमों का गठन किया गया है, जो आगजनी की घटनों को काबू पाने के लिए लगातार फिल्ड में विजीट कर रही है। इस मौके पर एसडीएम अमन कुमार, कृषि एवं किसान विभाग के उप निदेशक डा. आदित्य प्रताप डबास, सहायक कृषि अभियंता इंजी. राजेश वर्मा, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रिजनल ऑफिसर नितिन सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

डीएलएसए द्वारा विभिन्न गांवों में स्थापित किए गए लीगल सर्विसेज क्लीनिक:नीतिका भारद्वाज

कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज के दिशानिदेर्शानुसार कुरुक्षेत्र के विभिन्न गांवों में लीगल सर्विसेज क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन क्लीनिकों में ब्लॉक लाडवा के गांव मेहरा में लक्ष्मण चौपाल, थानेसर ब्लॉक के गांव फतुहपुर के कम्युनिटी सेंटर में, ब्लॉक इस्माइलाबाद के गांव झांसा के सरपंच कार्यालय में, ब्लॉक बाबैन के गांव बेरथला के ग्राम सचिवालय में, पिपली ब्लॉक के गांव बिहोली के ग्राम सचिवालय में, ब्लॉक लाडवा के गांव गुढ़ा के पंचायत घर में, थानेसर ब्लॉक के गांव धुराला के राजीव गांधी सेवा केंद्र में तथा गांव ज्योतिसर के सरपंच कार्यालय में , शाहबाद के गांव शरीफगढ़ के पंचायत घर में लीगल सर्विसेज क्लीनिक संचालित हैं। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों में प्रत्येक बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा आसपास के गांवों में आमजन को नालसा , हालसा की विभिन्न योजनाओं, अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता , नालसा हैल्पलाईन नंबर 15100, व लीगल सर्विसेज क्लीनिक के बारे में जानकारी दी जाती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक रविवार को दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक पैनल अधिवक्ता इन निर्धारित स्थानों पर बैठकर ग्रामीणों को कानूनी परामर्श एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंन कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कानूनी जानकारी या सहायता की आवश्यकता हो, तो वह प्रत्येक रविवार को इन लीगल सर्विसेज क्लीनिकों में उपस्थित पैनल अधिवक्ताओं एवं पीएलवीज से संपर्क कर सकता है।

केयू में यूजी एवं इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में दाखिले शुरू

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों (यूटीडी) में संचालित विभिन्न स्नातक, इंटीग्रेटेड एवं अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। विद्यार्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया 7 मई, 2026 से प्रारंभ की गई है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जिन प्रमुख पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिए जाएंगे उनमें बी.ए. (जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) 4 वर्षीय, बी.ए.-एलएल.बी. (ऑनर्स) 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम, बी.एससी. ग्राफिक्स एंड एनीमेशन 4 वर्षीय, बी.एससी. मल्टीमीडिया 4 वर्षीय, बी.एससी. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीबीए (ऑनर्स), बीएचएम एंड सीटी, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए), एमबीए 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रैक्टिस ओरिएंटेड प्रोग्राम, मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एमपीए) 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम तथा एम.टेक. (एप्लाइड जियोलॉजी) 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शामिल हैं। इंटीग्रेटेड टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (आईटीईपी) के अंतर्गत बी.ए. बी.एड., बी.एससी. बी.एड. एवं बी.कॉम. बी.एड. 4 वर्षीय पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उद्योग आधारित अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड (एईडीपी) डिग्री प्रोग्रामों के अंतर्गत बी.कॉम. (प्रोफेशनल), बीसीए (इंडस्ट्री लिंक्ड), बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (इवेंट मैनेजमेंट), बी.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बी.एससी. डेटा साइंस, बी.एससी. जियोलॉजी प्रोफेशनल, बी.एससी. इंडस्ट्री बायो-केमिस्ट्री, बी.ए. बिजनेस एंड इकोनॉमिक एनालिटिक्स तथा बी.वोक. ईएसएस (एनवायरमेंटल साइंस एंड सस्टेनेबिलिटी) जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम में भी दाखिला ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि ह्हैंडबुक ऑफ इंफॉर्मेशन एवं ऑनलाइन आवेदन फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा एडमिशन पोर्टल पर उपलब्ध करवा दिए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं प्रवेश पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता समिति की बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज जी के पावन जन्मोत्सव (15 मई) एवं राधा जागरण महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली विभिन्न सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों की तैयारियों को लेकर आज श्री कृष्ण कृपा समिति, जीओ गीता, कुरुक्षेत्र की एक महत्वपूर्ण बैठकमदन मोहन छाबड़ा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रमों को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने हेतु विभिन्न निर्णय लिये गये। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 मई कोगीता ज्ञान संस्थानम् परिसर में मेदांता हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र के सहयोग से प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तकरक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 13 मई एवं 14 मई को सायंकाल गौशाला प्रांगण में भव्य भजन संध्या एवं भण्डारा प्रसाद का आयोजन होगा। भजन संध्या में भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुजन भजनों का आनंद प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 15 मई को श्री कृष्ण कृपा गौशाला प्रांगण में पूज्य महाराज श्री के करकमलों द्वारा श्री हनुमान जी की मूर्ति की भाव प्रतिष्ठा सम्पन्न करवाई जाएगी।

सेवा कार्यों के अंतर्गत 15 मई कोएलएनजेपी हॉस्पिटल में मरीजों हेतु फल वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही 14 मई को नया बस स्टैंड एवं 15 मई को पुराना बस स्टैंड, कुरुक्षेत्र में श्रद्धालुओं हेतु भण्डारा एवं मीठे शीतल जल की सेवा लगाई जाएगी।

इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा समिति, जीओ गीता, कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. ऋषिपाल ने यह भी सूचना दी कि 15 मई को करनाल में आयोजित होने वाले राधा जागरण हेतु कुरुक्षेत्र से बसों की व्यवस्था भी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकें। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा समिति जीओ गीता कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. ऋषिपाल, मदन मोहन छाबड़ा, मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा, धीरज कुमार वालिया, अशोक अरोड़ा, हंसराज सिंगला, जय नारायण शर्मा, श्याम लाल आहूजा, केके कौशल, अनुराग, डॉ. प्रदीप, साहब सिंह, रविन्द्र कुमार, पवन गुम्बर, डॉ. राजीव गाबा, सुरेन्दर सागवाल, मुकेश कुमार, जोगिन्द्र शर्मा, दीपक आहूजा, अरविन्द जिंदल, राजेन्द्र सिंगला, राजीव बंसल, सुनील धामी, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. सम्राट, डॉ श्याम लाल, अशोक, विजय नरूला, अशोक कौशल, डॉ. पंकज कौशिक सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- खोरी कलां और खातोदड़ा में खुलेंगे नए स्वास्थ्य केंद्र

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री द्वारा नूंह जिला के गांव खोरीकलां तथा महेंद्रगढ़ जिला के गांव खातोदड़ा में दो नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गांव खोरीकलां में उप-स्वास्थ्य केंद्र (सब हेल्थ सेंटर) तथा गांव खातोदड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्थापित किया जाएगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को उसके नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। नए स्वास्थ्य केंद्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, सामान्य रोगों का उपचार, प्राथमिक जांच तथा आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर नए अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और चिकित्सा सुविधाएं विकसित कर रही है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है, जिससे आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से नूंह और महेंद्रगढ़ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को राहत मिलेगी।

हरियाणा महाधिवक्ता कार्यालय का हुआ पूर्ण डिजिटलीकरण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- देश का पहला पूरी तरह डिजिटल महाधिवक्ता कार्यालय बना
- प्रो-केस मैनेजमेंट सिस्टम को हरियाणा के महाअधिवक्ता प्रविंद्रा सिंह चौहान ने किया लाइव

प्रशासनिक और विधिक सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणा का महाधिवक्ता कार्यालय अब पूरी तरह डिजिटल हो गया है। महाधिवक्ता श्री प्रविंद्रा सिंह चौहान के नेतृत्व में हरियाणा देश का पहला ऐसा महाधिवक्ता कार्यालय बन गया है, जहां सभी विधिक कार्य पूरी तरह डिजिटल तरीके से किए जा रहे हैं। यह उपलब्धि न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए एक नई मिसाल मानी जा रही है। हरियाणा के महाअधिवक्ता प्रविंद्रा सिंह चौहान ने गुरुवार को प्रो-केस मैनेजमेंट सिस्टम को लाइव कर इसकी शुरूआत की। महाधिवक्ता श्री प्रविंद्रा सिंह चौहान ने इस संबंध में बताया कि अब यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल कर लिया गया है। इस डिजिटल व्यवस्था का मुख्य आधार ह्प्रो केस मैनेजमेंट सिस्टम है, जो लिटिगेशन मैनेजमेंट सिस्टम का उन्नत रूप है। इसके माध्यम से महाधिवक्ता कार्यालय और सरकारी विभागों के बीच वेटिंग, कानूनी राय, केस से जुड़ा पत्राचार और मुकदमों का प्रबंधन पूरी तरह डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। इससे काम में तेजी आई है और अनावश्यक देरी कम हुई है। उन्होंने बताया कि अब सभी केसों से जुड़े दस्तावेज जैसे पेपर बुक्स, जवाब, लिखित बयान और अदालत के पुराने आदेश पीडीएफ फॉर्मेट में सुरक्षित उपलब्ध हैं। इससे कागजी फाइलों पर निर्भरता लगभग खत्म हो गई है और पारदर्शिता व कार्यक्षमता बढ़ी है।

सचखंड श्री हजूर साहिब पहुंचने पर श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा के साथ हुआ जोरदार स्वागत

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई विशेष ट्रेन श्रद्धालुओं को लेकर दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह के पावन चरणों से पवित्र स्थल सचखंड श्री हजूर साहिब पहुंची। सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ पहुंचने पर श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया। सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ रेलवे स्टेशन सतनाम वाहेगुरु, बोले सो निहाल सत श्री अकाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जयकारे से गूंज उठा। इस ट्रेन से हरियाणा प्रदेश के 9 जिलों से 800 से ह्यादा श्रद्धालु पवित्र धरा पर पहुंचे हैं। सचखंड श्री हजूर साहिब बोर्ड प्रशासक एवं चेयरमैन सतविंद्र सिंह, अधीक्षक रविंद्र सिंह कपूर सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने कुरुक्षेत्र हरियाणा से पहुंचे सैंकड़ों श्रद्धालुओं का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया और गुलाब के फूलों से वर्षा करके परंपरा अनुसार स्वागत किया। चेयरमैन सतविंद्र सिंह ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से ही हरियाणा के श्रद्धालुओं को तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड के दर्शन करवाए।

उन्होंने कहा कि आज जो ट्रेन सचखंड श्री हजूर साहिब पहुंची है। यह दो महान तीर्थ स्थलों के बीच सेतु का काम कर रही है। यह पावन धरा गुरु साहिबान के पावन चरणों से भी अनेक बार पवित्र हुई है। सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ वह पवित्र स्थान है, जहां दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ह्योति जोत समाए। वहीं कुरुक्षेत्र को विश्व भर में धर्मक्षेत्र की ख्याति प्राप्त है, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने मोह ग्रस्त अर्जुन के माध्यम से संसार को गीता का उपदेश देकर जीवन का मार्ग दिखाया। इन दोनों पवित्र स्थलों को जोडने वाली यह विशेष ट्रेन भारत की आध्यात्मिक धारा के प्रवाह का प्रतीक बन रही है।

श्रद्धालुओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सिख संगत ने गुरुओं के पवित्र स्थलों के दर्शन करवाएं की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं की अपील को देखते हुए कुरुक्षेत्र से सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के लिए रेलगाड़ी भेजी है। सभी श्रद्धालु तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नादेंड में पहुंच चुके हैं। अब जल्द ही दर्शन पवित्र स्थल के दर्शन करेंगे।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की तरफ से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत कुरुक्षेत्र से 5 मई से 10 मई तक तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नादेंड महाराष्ट्र की धार्मिक यात्रा करवाई जा रही है। इस यात्रा में 9 जिलों के 800 से ह्यादा श्रद्धालु शामिल हैं। सभी श्रद्धालुओं को पवित्र गुरु घर के दर्शन करवाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के तहत सचखंड श्री हजूर साहिब के लिए कुरुक्षेत्र से गई रेल यात्रा में स्वास्थ्य विभाग कुरुक्षेत्र की टीम भी शामिल हुई। इस टीम में शामिल मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनिंदरजीत सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ. विप्रा राय, नर्सिंग ऑफिसर जन्नत, नर्सिंग ऑफिसर गीता, नर्सिंग अर्दली रामेश्वर ने ट्रेन में 150 से ह्यादा मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। यात्रियों को शुगर, बीपी एवं दर्द निवारक दवाइयां उनकी सीट पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। यात्रा के दौरान डॉक्टरों द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयों का वितरण तथा आपातकालीन स्थिति में त्वरित उपचार की व्यवस्था की गई।

बुजुर्ग यात्रियों को विशेष प्राथमिकता देते हुए उनकी सेहत पर लगातार निगरानी रखी गई, जिससे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

संपादकीय

बंगाल में संवैधानिक संकट: लोकतंत्र की परीक्षा

पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जो न केवल राज्य के भविष्य को निर्धारित करेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता को भी कसौटी पर रखेगा। 7 मई 2026 को राज्यपाल आर.एन. रवि ने पश्चिम बंगाल विधानसभा को संविधान के अनुच्छेद 174(2)(ख) के तहत औपचारिक रूप से भंग कर दिया। यह निर्णय उस असाधारण परिस्थिति में लेना पड़ा, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारी चुनावी पराजय के बाद भी पद से इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में एक गहरा संवैधानिक संकट उत्पन्न कर दिया है। हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त किया, जबकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस महज 80 सीटों पर सिमट गई। यह बंगाल के राजनीतिक इतिहास में भाजपा की पहली पूर्ण बहुमत वाली सरकार होने जा रही है। स्वयं ममता बनर्जी अपनी परंपरागत सीट भवानीपुर से शुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,000 से अधिक मतों के अंतर से पराजित हुईं। यह परिणाम न केवल तृणमूल के लिए बल्कि ममता बनर्जी के व्यक्तिगत राजनीतिक करियर के लिए भी एक बड़ा धक्का था। लोकतांत्रिक परंपरा और संवैधानिक नैतिकता के अनुसार, किसी भी ऐसी सरकार का मुखिया, जिसे जनादेश द्वारा अस्वीकार कर दिया गया हो, उसे बिना देर किए पद त्याग करना चाहिए। परंतु ममता बनर्जी ने यह परंपरा तोड़ते हुए 5 मई को आयोजित एक प्रेस वार्ता में स्पष्ट कहा कि वे इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनादेश से नहीं बल्कि 'षड्यंत्र' से हारी है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस चुनाव का 'खलनायक' तक करार दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह पर बंगाल की चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उनके इस रवैये को तृणमूल प्रवक्ताओं ने 'लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीकात्मक स्वर' बताया, लेकिन वास्तव में यह संवैधानिक व्यवस्था की खुली अवहेलना थी। यह समझना जरूरी है कि पराजित मुख्यमंत्री का इस्तीफा न देना केवल एक राजनीतिक ढिठाई नहीं है, बल्कि यह संवैधानिक तंत्र की विफलता की श्रेणी में आता है। संविधान विशेषज्ञों का मत था कि 7 मई को विधानसभा का कार्यकाल स्वतः समाप्त होने के बाद ममता बनर्जी वैसे भी पद पर नहीं रह सकती थीं। इसीलिए राज्यपाल ने कोलकाता गजट में अधिसूचना जारी करते हुए विधानसभा को उसी दिन से प्रभावी रूप से भंग कर दिया और भाजपा के लिए सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त किया। भाजपा के राज्य अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने घोषणा की है कि 9 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम में ममता बनर्जी का आचरण कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है। पंद्रह वर्षों तक बंगाल पर शासन करने वाली एक अनुभवी नेत्री से यह अपेक्षा की जाती है कि वे लोकतंत्र के बुनियादी नियमों का सम्मान करेंगी। चुनाव परिणामों को 'षड्यंत्र' कहकर खारिज करना और राज्य के संवैधानिक तंत्र को बाधित करने की कोशिश करना, किसी भी लोकतांत्रिक परंपरा में स्वीकार्य नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग ने तृणमूल के सभी आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि मतगणना स्थापित प्रक्रियाओं और कड़ी निगरानी में सम्पन्न हुई। दूसरी ओर, बंगाल में राजनीतिक हिंसा की पुरानी समस्या एक बार फिर सिर उठा रही है। चुनाव परिणामों के ठीक दो दिन बाद भाजपा नेता शुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ राठ की हत्या ने चुनाव पश्चात तनाव को और अधिक गहरा कर दिया है। भाजपा ने इसके लिए तृणमूल को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि तृणमूल ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है। यह हिंसा इस बात का संकेत है कि सत्ता के इस बदलाव के साथ बंगाल में लंबे समय तक राजनीतिक संघर्ष जारी रह सकता है। इस संकट का एक व्यापक संदर्भ भी है। भारतीय लोकतंत्र में यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन के समय संवैधानिक विवाद उत्पन्न हुआ हो। परंतु बंगाल का यह मामला इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ पराजित दल ने जनादेश को ही नकार दिया। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह जनता की इच्छा को सर्वोपरि मानता है। जब कोई नेता या दल इस इच्छा को अस्वीकार करता है, तो वह न केवल संविधान की भावना के विरुद्ध आचरण करता है, बल्कि उस जनता का भी अपमान करता है जिसने उसे कभी शासन करने का अवसर दिया था। ममता बनर्जी ने बंगाल के विकास में अपनी भूमिका निभाई है, यह सच है। परंतु इतिहास हमेशा यह देखता है कि कोई नेता सत्ता में कैसे आया और सत्ता से कैसे गया। पराजय को गरिमा के साथ स्वीकार करना भी उतना ही बड़ा नेतृत्व गुण है, जितना कि विजय के समय उत्साह से काम करना। जो नेता पराजय में भी जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं, वे जनता के हृदय में स्थायी स्थान बनाते हैं। अब जबकि विधानसभा भंग हो चुकी है और नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, सभी दलों से यह अपेक्षा है कि वे संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करें, राजनीतिक हिंसा को रोकें और बंगाल की जनता को एक स्थिर एवं जवाबदेह प्रशासन देने में सहयोग करें। भाजपा के सामने भी यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वह अपने पहले बंगाल शासन में विपक्ष का सम्मान करे, हिंसा की राजनीति से दूर रहे और उस जनादेश को सार्थक करे जो उसे मिला है। बंगाल का यह संकट एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल तृणमूल के लिए नहीं, बल्कि देश के हर उस दल के लिए है जो सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता है। लोकतंत्र में सत्ता अस्थायी होती है, जनादेश स्थायी। जो इसे समझ लेते हैं, वे राजनेता बनते हैं; जो नहीं समझते, वे इतिहास की चेतावनी बन जाते हैं।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है।

भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया।

वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हर सत्ता अपना अंत स्वयं लिखती है

विजय मनोहर तिवारी (हि.स)

पश्चिम बंगाल की राजनीति पाप का एक ऐसा घड़ा भर रही थी, जो कब का लबालब हो चुका था। उसे इतनी ही जोर से फूटना ही था। अब तक तीन ताकतें ही बंगाल में काबिज रहीं। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और फिर टीएमसी। तीनों ही अलग नहीं हैं। तीसरी ताकत पहली से टूट कर ही बनी। पहली और दूसरी की यारी ईमान पर टिकी थी। ईमान का यह तत्व टीएमसी में जन्मजात था। ईमान को मजबूत बताने की होड़ तय करती थी कि घुसपैठियों के प्रति कौन कितना दयावान है। इन नतीजों ने देश के दूसरे हिस्सों में पहले ही दिवालिया हो चुके 'मजहबी वोटबैंक' की एक और मजबूत ब्रांच को उजाड़ दिया है।

कम्युनिस्टों के लंबे कब्जे में आने के बाद कोलकाता धीरे-धीरे एक कबाड़खाना ही बन गया। नाजायज कब्जों और वसूली का ऐसा मॉडल शायद ही देश में कहीं हो। शानदार शोरूम वाले भीड़ भरे बाजारों के चौड़े फुटपाथ अतिक्रमण में ऐसी दुकानों को दे दिए गए, जिनके मुंह शोरूम की तरफ थे। पूरे कोलकाता में यह एक समांतर अर्थव्यवस्था है, जिसकी सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ से खिसक कर टीएमसी के हाथ में आ गई क्योंकि हारने के बाद गलियों के सारे कम्युनिस्ट गिरोह टीएमसी की तगाड़ी उठाने लग गए। कुछ नहीं बदला। पोरिबर्तन केवल एक नारा साबित हुआ था।

अंग्रेज आर्किटेक्ट और टाउन प्लानर आज के कोलकाता में राइटर्स बिल्डिंग से होकर तीन-चार किलोमीटर चारों ओर के बाजारों और फुटपाथों पर घूमकर देखें तो एक स्वर कहेंगे-'ये इसी लायक थे।'

केवल कोलकाता ही नहीं दूसरे शहरों में भी बंगाल विचित्र है। रेलवे स्टेशनों पर आपने कब्जे बाहर देखे होंगे मगर स्टेशन मास्टर के ऑफिस से सटकर दोनों तरफ प्लेटफॉर्मों पर रेल के डिब्बों की तरफ खुलती दुकानों का बाजार देश में कहीं नहीं देखा होगा। रेलवे की जमीन पर प्लेटफार्मों पर कब्जों का यह अनूठा प्रयोग केवल बंगाल में ही संभव हुआ। रेलमंत्री या मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी के 'पोरिबर्तन' में यह कोई विषय ही नहीं था। नशे के फैलाव के कारण पंजाब को एक फिल्म में '.उड़ता हुआ पंजाब' कहा गया। बंगाल की कई यात्राओं के बाद मैंने बहुत दुख से इसे 'सड़ता हुआ बंगाल' कहा था। ये नतीजे बता रहे हैं कुछ उम्मीद बाकी है। वह पूरी तरह सड़ा नहीं है।

जनवरी में मेरा वेलूर मठ और दक्षिणेश्वर जाना हुआ। पहले भी गया हूँ और कोलकाता के वे स्थान, जहाँ स्वामी विवेकानंद की स्मृतियाँ ताजा हैं। महर्षि अरविंदो, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिमचंद्र, शरतचंद्र के अलावा बड़ा बाजार की पुरानी इमारतों के बीच ठाकुरबाड़ी, जहाँ गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के परिवार की अनगिनत यादें हैं। हर बार मैं सोचता रहा कि ये विभूतियाँ अगर आज के बंगाल की हालत देखें तो क्या सोचेंगी? इतने गहरे सांस्कृतिक संस्कारों और सरोकारों वाले पुनर्जागरण की भूमि को यह कौन-सा अभिशाप जकड़े हुए है?

बंकिम अपनी मातृभूमि का वंदन करने के लिए उस सरहद के किस तरफ मुंह करेंगे, जिसकी दूसरी ओर से आने वाले अपराधी घुसपैठिए इस तरफ के बंगाल का राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाज शास्त्र उलटने में लगे हैं और उन्हें पोसने वाले यहाँ वंदनवार सजाए हुए हैं। उन्हें कोलकाता से ढाका तक देखना होगा कि डायरेक्ट एक्शन से

रक्तरंजित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुजरी है और रक्तबीजों की अमरबेल कहाँ-कहाँ लिपटी पड़ी है। अतीत में झाँकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है।

कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है। विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है। आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है।

स्वाधीनता संघर्ष की खुमारी सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी। सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राज्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई। इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा। विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती। बूढ़े दरख्त की सूखी शाख ठूँठ हो जाती हैं। हरी कोंपले वहाँ नहीं आती। रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर आँखें चमकाते हैं।

आजादी के बाद हुए हजारों छोटे-बड़े आंदोलनों को देखें। ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और परिवर्तित किया। अयोध्या के राममंदिर आंदोलन को आप किस कसौटी पर रखेंगे? एक विचार को लेकर कुछ नेता एक नई-नई पार्टी बनाकर देश में घूमते-भटकते रहे। उन्हें दकियानूसी कहा गया, जिनका आधुनिक विश्व की जरूरतों से कोई सरोकार नहीं था। वे बार-बार की हार से भी नहीं हारे। हार-हारकर भी अपने विचार पर टिके रहे-तुष्टिकरण का विरोध, कश्मीर में 370, समान नागरिक संहिता और अयोध्या में एक मंदिर। सब हँसते थे। गरियाते थे। मजाक उड़ाते थे। मगर उनके पास कोई दूसरा मौलिक विचार भी नहीं था। दिल्ली, लखनऊ, पटना, श्रीनगर, चेन्नई, चंडीगढ़ में सत्ता परिवारों के पास थी। विचारहीन पारिवारिक रियासतें, जिनके लिए सत्ता ही विचार थी।

बंगाल पर लौटते हैं। बंगाल एक कठिन और जटिल राजनीतिक भूमि है। दशकों की बिगड़ी आदतें हैं, जो रक्त में समा गई हैं और इनका शुद्धिकरण सरल नहीं है। दो सौ पार का यह परिणाम बेचैन बंगालियों की अनंत अपेक्षाओं का एक भारी-भरकम बोझ भी है, जो अब नए कंधों पर है। मगर असंभव को संभव बनाना भी केवल राजनीति से ही संभव है। बिहार, यूपी और असम में एक जैसी समस्याओं का विस्तार है, जिनमें डेमोग्राफी सबसे चिंतानक है। वोट बैंक बनाकर तुष्टिकरण की राजनीति ने इस घुन को लगभग पूरे देश में फैलने के लिए अनुकूल जमीन तैयार की है, जिसके बुरे परिणाम पूरे देश में उबलते देखे जाते हैं।

बंगाल के नए नेतृत्व को वास्तविक परिवर्तन के लिए असम, यूपी और उत्तराखंड के तजुर्बों से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। परिणाममूलक परिवर्तन के कुछ सूत्र हेमंता बिस्वा सरमा से लेने ही पड़ेंगे, कुछ पाठ योगी आदित्यनाथ से सीखने होंगे और थोड़ा सा पुष्कर सिंह धामी की पहली कक्षा में झांकते हुए आगे बढ़ना होगा। इन तीनों सीनियर्स में एक को तीसरी बार चुना गया है, दूसरे दूसरी पारी खेल रहे हैं और तीसरे पहली बार के सीएम हैं। इस गुरुकुल में केवल ये तीन ही बंगाल के नए नेतृत्व के लिए अनुकरणीय पाठशालाएँ हैं और सबसे ऊपर दिल्ली के कुलाधिपति। कठोर अनुशासन, सुविचारित योजना, निर्णय क्षमता और निडरता से क्रियान्वयन कुछ ऐसे मंत्र हैं, जो सबके लिए प्रभावी होते हैं। इन पर अमल के लिए किसी ने किसी को नहीं रोका है।

बंगाल लंबे समय के लिए अवसर देता है। वह दूसरे उन राज्यों जैसा नहीं है, जहाँ एक बार ये और दूसरी बार वो। बंगाल बार-बार के बदलाव में यकीन नहीं करता। वह एक बार ही झाड़ू फेर देता है। आजादी के बाद कांग्रेस सिरमौर रही, तीन दशक तक कम्युनिस्टों को सिर पर बैठाया और डेढ़ तक टीएमसी को लादे रहा। दोनों के चक्कर में कीमती 50 साल बरबाद हो गए। देश कहाँ से कहाँ पहुँच गया और बंगाल किस चक्रव्यूह में फँसा रहा।

अब अगले खिलाड़ी विजेता बनकर आ रहे हैं तो 80 साल के इन तजुर्बों से कुछ सीखकर वे उम्मीदें जगा सकते हैं। एक लंबी पारी उनके हिस्से में है। 15 साल पहले टीएमसी ने बड़े जोर से परिवर्तन का नारा कम्युनिस्टों के कुशासन से मुक्ति के रूप में दिया गया था। मगर टीएमसी ने कम्युनिस्टों की राजनीतिक टेम्पलेट से ही काम चलाकर बंगाल की बदहाली को और बढ़ा दिया। परिवर्तन के अब तक नारे सुनता रहा बंगाल क्या सचमुच में परिवर्तन का स्वाद चख पाएगा? सत्ता अपना आरंभ स्वयं लिखती है और अपना अंत भी। बंगाल में एक अंत लिखा गया है और एक आरंभ भी!

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज घर-परिवार से जुड़ी कुछ अहम जिम्मेदारियाँ आपके सामने आ सकती हैं। किसी बात को लेकर जीवनसाथी नाराज हो सकते हैं, इसलिए संयमित व्यवहार रखें। किसी भी मुद्दे पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज घरेलू जिम्मेदारियाँ आपको व्यस्त रखेंगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ शांति और एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। किसी धार्मिक अनुष्ठान या विशेष पूजा में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज मन में बेचैनी और अस्थिरता बनी रह सकती है। नए कार्यों की शुरूआत फिलहाल टालना ही उचित होगा। पेट दर्द या ऐंठन जैसी समस्या परेशान कर सकती है। योग, ध्यान और संतुलित दिनचर्या अपनाने का प्रयास करें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: परिवार के सदस्य आपका मनोबल बढ़ाएंगे। प्रेम संबंधों में आज भाग्य आपका साथ देगा। बच्चों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर चल रही चिंता कम होगी। कमीशन या साझेदारी से जुड़े कार्यों में आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में मजबूती आएगी। आप अपने काम करने के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेंगे। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव कुछ कम हो सकता है। विरोधियों से राहत मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर मन में दुविधा बनी रह सकती है, लेकिन शाम तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। अहम बैठकों में आपको सम्मान और सराहना मिल सकती है। सोशल मीडिया के माध्यम से नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावनात्मक रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कार्यक्षेत्र में नए विरोधी सामने आ सकते हैं, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है। विद्यार्थियों को एकाग्रता की कमी के कारण पढ़ाई में परेशानी महसूस हो सकती है। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: व्यापार में आप अपनी सेवाओं और उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास करेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहेगा। किसी प्रतिष्ठित कंपनी के इंटरव्यू में शामिल होने का अवसर मिल सकता है और सफलता मिलने के संकेत भी हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं। हालांकि, आप अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद कर सकते हैं। गैस और कब्ज जैसी समस्या परेशान कर सकती है। उधार लिया हुआ धन लौटाने का दबाव महसूस होगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज लोग आपकी महत्ता और क्षमता को समझेंगे। नए कार्यों की शुरूआत में आ रही बाधाएँ दूर हो सकती हैं। ऑफिस में काम का दबाव कम रहेगा। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से लाभकारी है। *(सिटी दर्पण)*

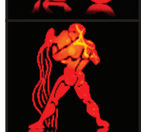

कुंभ: कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। सरकारी नियमों की अनदेखी भारी पड़ सकती है और आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। आज घर पर अधिक समय बिताना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मीन: कार्यक्षेत्र में आपकी पसंद के अनुसार जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। सहकर्मी आपकी प्रगति और उपलब्धियों से खुश नजर आएंगे। आज आप अपनी बातों और तर्कों से लोगों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मूडीज नहीं, कई तथ्य हैं मोदी सरकार में भारत की आर्थिक मजबूती के

दुनिया इस समय आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनावों के दौर से गुजर रही है। कोविड महामारी के बाद अनेक विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी हैं। ऐसे समय में भारत का लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ना अपने आप में महत्वपूर्ण संकेत है। यही कारण है कि आज भारत को दुनिया की सबसे भरोसेमंद उभरती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट ने भी इस तथ्य की पुष्टि की है कि भारत ने हर बड़े वैश्विक आर्थिक झटके के बीच उल्लेखनीय स्थिरता दिखाई है। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुई महंगाई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति, बैंकिंग संकट और हालिया वैश्विक शुल्क दबाव जैसे अनेक संकटों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रही।

वस्तुतः भारत की आर्थिक मजबूती को केवल मूडीज की रिपोर्ट तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे अनेक ऐसे ठोस तथ्य हैं, जो यह बताते हैं कि बीते वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूत आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक नीतियों में जो स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि दिखाई दी, उसी का परिणाम है कि आज भारत वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल हो चुका है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत की मौद्रिक नीति को उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। दुनिया के अनेक देशों में महंगाई दोहरे अंक तक पहुंच गई, मगर भारत ने उसे नियंत्रित दायरे में बनाए रखा। निवेशकों का भरोसा इसी कारण लगातार बढ़ा है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत की दूसरी बड़ी ताकत उसका विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है। यह भंडार आर्थिक सुरक्षा कवच है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता आने पर यही भंडार रुपये को स्थिर रखने और आयात जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। अनेक देशों की मुद्राएं वैश्विक दबाव में तेजी से कमजोर हुईं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक संतुलित बनी रही। वहीं, भारत की घरेलू मांग भी उसकी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरी है। देश की विशाल आबादी और बढ़ता मध्यम वर्ग आर्थिक गतिविधियों को गति देता है। यही कारण है कि वैश्विक मंदी के दौर में भी भारत में खपत बनी रही। हाउसिंग, वाहन, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग लगातार बढ़ती दिखाई दी।

वित्त वर्ष 2025-26 के बैंकिंग आंकड़े इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। 15.9 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ यह संकेत देती है कि उद्योग, व्यापार और उपभोक्ता क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। कुल कर्ज 212.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना आर्थिक विस्तार का बड़ा संकेत है। सेवा क्षेत्र में 19 प्रतिशत की क्रेडिट वृद्धि बताती है कि भारत का सर्विस सेक्टर लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, पर्यटन, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति दी है।

उद्योग क्षेत्र में भी कर्ज वितरण लगभग दोगुना होकर 15 प्रतिशत तक पहुंचा है, जो विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार का संकेत देता है। विशेष रूप से माइक्रो और स्मॉल इंडस्ट्रीज में 33.1 प्रतिशत की वृद्धि यह दशार्ती है कि आर्थिक विकास अब केवल बड़े शहरों या कॉरपोरेट समूहों तक सीमित नहीं रहा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उद्यमों को भी वित्तीय मजबूती मिल रही है। यही वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ता कदम है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकेत भी उत्साहजनक हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 15.7 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ बताती है कि गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। कृषि क्षेत्र में तकनीक, सिंचाई, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रामीण आधारभूत संरचना पर ध्यान देने का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है।

टैक्स संग्रह के आंकड़े भी आर्थिक मजबूती का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। प्रत्यक्ष कर संग्रह में 5.12 प्रतिशत की वृद्धि बताती है कि आर्थिक गतिविधियां स्थिर हैं और कर अनुपालन बेहतर हुआ है। कॉरपोरेट टैक्स में बढ़ोतरी कंपनियों की बेहतर आय और कारोबार विस्तार की ओर संकेत करती है।

इसके साथ आज जो दिख रहा है, वह यह भी है कि देश में डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित प्रशासन ने कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। व्यक्तिगत ऋणों में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि यह दिखाती है कि आम नागरिकों का आर्थिक विश्वास मजबूत हुआ है। लोग घर खरीद रहे हैं, वाहन ले रहे हैं और निवेश करने का साहस दिखा रहे हैं। यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

वास्तव में भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार नीतिगत स्थिरता है। पिछले वर्षों में आधारभूत संरचना निर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण प्रोत्साहन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, जीएसटी, बैंकिंग सुधार और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। वस्तुतः आज भारत को लेकर इसलिए ही दुनिया की अनेक शक्तिशाली संस्थाएं- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एसएंडपी और फिच भी भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं को सकारात्मक मान रही हैं।

स्पष्ट है कि भारत की आर्थिक मजबूती किसी एक रिपोर्ट या एजेंसी के मूल्यांकन का परिणाम नहीं है। इसके पीछे मजबूत नीतियां, विशाल घरेलू बाजार, बढ़ता निवेश, बैंकिंग स्थिरता, डिजिटल क्रांति, विदेशी मुद्रा भंडार और जनविश्वास जैसे अनेक ठोस आधार मौजूद हैं। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भी भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और विश्व की सबसे भरोसेमंद अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह लगातार मजबूत कर रहा है।

बेअदबी के दोषी अब ज्यादा समय कानून के शिकंजे से नहीं बच सकते; शुक्राना यात्रा के दूसरे दिन मान ने लिया प्रण

पंजाब में बेअदबी फैलाने वालों को अब जमानत नहीं मिलेगी और उन्हें 50 लाख रुपये तक के जुर्माने के साथ उम्रकैद की सजा होगी : मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
जालंधर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'शुक्राना यात्रा' के दूसरे दिन ऐलान किया कि पंजाब में बेअदबी करने वाले अब सजा से नहीं बच सकेंगे। उन्होंने कहा कि नया बेअदबी विरोधी कानून अपराधियों के लिए एफआईआर, उम्रकैद और 50 लाख रुपये तक के जुमार्ने के बाद जमानत न देने की व्यवस्था करता है। पिछली सरकारों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने वालों को आजाद घूमने और पंथ की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इजाजत दी थी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'आप' सरकार ने अब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा और सूबे में भाईचारे की सांझ बनाए रखने के लिए देश का सबसे सख्त कानून बनाया है।

भाजपा और अकालियों पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सियासी फायदे के लिए सिखों और हिंदुओं को बांटने की कोशिश करने वाली ताकतें पंजाब की भाईचारे की सांझ और एकता की मजबूत परंपरा के सामने असफल हो जाएंगी। जालंधर और अमृतसर में हाल ही में हुए बम धमाकों को भाजपा के पंजाब में राजनीतिक दखल से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा जहां भी जाती है, चुनावों से पहले डर, अशांति और फूट डालती है। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि बेअदबी विरोधी कानून के बाद पंजाब सरकार जल्द ही नशों के खिलाफ सख्त कानून लाएगी, जिसके तहत नशा तस्करों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और आसान जमानत पूरी तरह बंद कर दी जाएगी।

जालंधर से शुक्राना यात्रा के दूसरे दिन का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आदमपुर और करतारपुर में सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अकाली खुद बेअदबी में शामिल थे और इसलिए उनके पास कानून का विरोध करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें भी कानून को मजबूत कर सकती थीं लेकिन उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, लोग अकालियों को यह मानकर वोट देते रहे कि वे बाबा नानक के आदर्शों की नुमाइंदगी करते हैं, लेकिन उन्होंने गुरुओं की पवित्र शिक्षाओं का निरादर किया। अकालियों को छोड़कर पूरी सिख संगत इस बेअदबी विरोधी कानून का स्वागत कर रही है।

यात्रा के दौरान लोगों द्वारा दिए गए अथाह प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे खुद को भाग्यशाली समझते हैं कि परमात्मा ने उन्हें श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की जिम्मेदारी बख्शी है। उन्होंने आगे कहा, पहले कुछ दिनों बाद ही पंजाबियों को बेअदबी की दर्दनाक खबरें सुननी पड़ती थीं लेकिन दोषी अक्सर बच जाते थे क्योंकि कानून कमजोर था। लोगों के आशीर्वाद और परमात्मा की मिहर की बदौलत हमें इस कानून को मजबूत करने का मौका मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बार-बार दावा करती रही हैं कि यह कानून कभी पास नहीं होगा, राष्ट्रपति के पास फंस जाएगा या राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने देश के सबसे अच्छे कानूनी माहिरों से सलाह-मशवरा किया ताकि यह यकीनी बनाया जा सके कि कानून संवैधानिक तौर पर मजबूत और भविष्य के लिए उचित हो। उन्होंने कहा, अब अगर कोई श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करता है तो एफआईआर के बाद कोई जमानत नहीं होगी। कम से कम सजा 10 साल की कैद होगी और यह उम्रकैद तक बढ़ सकती है। साथ ही 50 लाख रुपये तक का जुमार्ना भी हो सकता है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जहां भी भाजपा सत्ता में आती है, वह गरीबों और आम लोगों के लिए बनाई गई भलाई योजनाओं को बंद कर देती है। उन्होंने कहा, उन्होंने दिल्ली में मुहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए और अगर वे पंजाब आते हैं तो वे यहां भी ऐसा ही करेंगे। ये पार्टियां लोक-पक्षीय पहलकदमियों के खिलाफ हैं और लोगों की भलाई के प्रति संकीर्ण मानसिकता रखती हैं।

उन्होंने आगे ऐलान किया कि सख्त बेअदबी विरोधी कानून बनाने के बाद पंजाब सरकार अब नशों के खतरे के खिलाफ और भी सख्त कानून लाएगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने नशा तस्करों को सरपरस्ती दी, जिससे यह बुराई पूरे पंजाब में फैली। उन्होंने कहा, अब नशा तस्करों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी, उन्हें सख्त सजा का सामना करना होगा और अब आसानी से जमानत संभव नहीं रहेगी। पहले बहुत सारे मुलजिमों को सीधे थानों से जमानत मिल जाती थी। यह प्रणाली खत्म हो जाएगी।

लोगों से भावनात्मक साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में भाईचारे की सांझ कभी नहीं टूट सकती। उन्होंने कहा, पंजाब की मिट्टी उपजाऊ है और यहां हर बीज उग सकता है, लेकिन इस धरती पर नफरत का बीज कभी नहीं पनप सकता। भाजपा और अकाली दल वोटों के लिए सिखों और हिंदुओं को बांटने की कोशिश करते हैं, लेकिन पंजाबियों ने हमेशा ऐसी राजनीति को रद्द किया है। जालंधर और अमृतसर में हाल ही में हुए धमाकों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये घटनाएं पंजाब में भाजपा के सियासी दखल के संकेत हैं। उन्होंने कहा, भाजपा जहां भी जाती है, वहां अशांति और डर फैलाती है। वे सिखों और हिंदुओं को आपस में लड़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन पंजाबी इस जाल में नहीं फंसेंगे। आतंकवाद के सबसे काले दिनों के दौरान भी पंजाब की भाईचारे की सांझ बरकरार रही और लोगों ने एक साथ त्योहार मनाए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों से मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत लाभ उठाने की अपील भी की, जो पंजाब के हर परिवार के लिए 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज प्रदान करती है। उन्होंने कहा, हर परिवार के लिए मानक स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

मांवा-धियां सत्कार योजना के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने अन्य श्रेणियों के परिवारों की महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये और अनुसूचित जाति के परिवारों की महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये देने की योजना शुरू की है। उन्होंने आगे कहा, यह रकम किसी को अमीर तो नहीं बना सकती, लेकिन यह यकीनन परिवारों की मदद करेगी और महिलाओं को मान के साथ जीने का अधिकार देगी।

भगवंत मान ने श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेका, बेअदबी विरोधी ऐतिहासिक कानून बनाने की समझ और शक्ति देने के लिए परमात्मा का शुक्राना किया

सिटी दर्पण संवाददाता
अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट-2026 को लागू करने की समझ और शक्ति प्रदान करने के लिए परमात्मा का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को बेअदबी करने की कोशिश करने वालों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मयार्दा की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

आज श्री हरमिंदर साहिब में नतमस्तक होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सेवा सौंपने के लिए उनका दिल परमात्मा के प्रति शुक्राने से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी

सरकार सौभाग्यशाली है कि हमें यह ऐतिहासिक कानून पारित करने का अवसर मिला है, जो भविष्य में ऐसी घिनौनी घटनाओं को रोकने में अहम साबित होगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के लिए पिता समान हैं, जिनकी मान-मयार्दा बनाए रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट-2026 यह सुनिश्चित करता है कि इस अक्षम्य अपराध के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को मिसाली सजा का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि बेअदबी की घटनाएं पंजाब की अमन-शांति, भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक एकता को भंग करने के उद्देश्य से रची गई गहरी साजिश का हिस्सा थीं। मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि यह कानून इतनी समझदारी और सख्ती से बनाया गया है कि दोषी ठहराए गए व्यक्ति को मरने तक उम्रकैद की सजा हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के नामी कानूनी विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा करने के बाद इस कानून का मसौदा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून ऐसी घटनाओं के खिलाफ मजबूत व्यवस्था के रूप में काम करेगा और भविष्य में कोई भी ऐसा अपराध करने की हिम्मत नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब भर की संगत यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत कर रही है क्योंकि पहली बार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मयार्दा और सम्मान की रक्षा के लिए सख्त और प्रभावी कानून तैयार किया गया है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब कैबिनेट और पंजाब विधानसभा दोनों ने सर्वसम्मति से इस कानून को मंजूरी दी है।

कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल द्वारा राजस्थान फीडर नहर की रीलाइनिंग के कार्य का जायजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/फरीदकोट

पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज राजस्थान फीडर नहर की चल रही रीलाइनिंग परियोजना का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाए। श्री गोयल ने बताया कि यह नहर पंजाब के कई गांवों और शहरों के नजदीक से गुजरती है और लगभग 60 वर्ष पुरानी होने के कारण इसकी लाइनिंग काफी जर्जर हो चुकी थी। पिछले समय के दौरान राजस्थान फीडर नहर और सरहिंद फीडर के कॉमन बैंक टूटने के कारण आसपास के क्षेत्रों में नुकसान का खतरा बना रहता था। इसी नुकसान को रोकने के उद्देश्य से यह कार्य करवाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सरहिंद फीडर नहर के पुनर्निर्माण का कार्य 800 करोड़

रुपये की लागत से पहले ही पूरा किया जा चुका है और अब राजस्थान फीडर नहर की रीलाइनिंग पूरी होने के बाद दोनों नहरों के साथ लगते गांवों और शहरों को संभावित जान-माल के नुकसान से बचाया जा सकेगा तथा खेतों को अधिक नहरी पानी उपलब्ध होगा। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि फरीदकोट की सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए फरीदकोट शहर के निकट राजस्थान फीडर की 12.50 किलोमीटर लंबाई में कंक्रीट की बजाय ईंटों की लाइनिंग की जा रही है ताकि भूजल रिचार्ज को सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि रीलाइनिंग कार्य पूरा होने के बाद नहर को उसकी क्षमता के अनुसार चलाया जाएगा और राजस्थान को उसके हिस्से के अनुसार ही पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा और भूजल संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगी। श्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि राजस्थान फीडर नहर की 80 किलोमीटर रीलाइनिंग का कार्य वर्ष 2023 तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया था, लेकिन नहर बंदी नहीं मिलने के कारण शेष कार्य पूरा नहीं हो सका था। अब वर्ष 2026 की बंदी के दौरान बाकी बची 16.62 किलोमीटर लाइनिंग का कार्य युद्ध स्तर पर करवाया जा रहा है, जिस पर लगभग 170 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस अवसर पर चेयरमैन मार्केट कमेटी फरीदकोट स. अमनदीप सिंह बाबा, एस.डी.एम. फरीदकोट पुनीत शर्मा, मुख्य इंजीनियर नहरें स. शेर सिंह, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर फि रोजपुर नहरें श्री संदीप गोयल, एक्सियन रमनप्रीत सिंह मान सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अशोक गोयल ने विशेष इनग्रीडिएंट्स से तैयार मूनशाइन उबटन पैक को किया लांच

चंडीगढ़ । उबटन के नाम से तो हम सभी परिचित हैं। आयुर्वेद भी हजारों सालों से उबटन का इस्तेमाल करने की सलाह देता है। अगर पारंपरिक रूप से देखा जाए तो उबटन दुनिया में कॉस्मेटिक का सबसे पुराना और सबसे प्योर टाइप है। चंडीगढ़ निवासी 73 वर्षीय अशोक कुमार गोयल ने अपने उत्पाद मूनशाइन उबटन पैक, को लांच करते हुए कहा कि उबटन को बेहद साधारण लेकिन गुणकारी चीजों से बनाया जाता है। उबटन असल में चेहरे पर जादुई असर करने वाला फेस मास्क है जो ग्लोइंग स्किन देने के साथ-साथ पोषण भी देता है। उबटन इतना असरदार है कि शादियों में खासतौर पर एक रस्म उबटन लगाने की ही होती है। उन्होंने बताया कि उबटन एक नेचुरल फेस मास्क है जिसमें ढेरों औषधीय गुण मौजूद हैं। उबटन में हल्दी, चंदन, लाल गुलाब और नीम के अलावा वो अपने कुछ विशेष इनग्रीडिएंट्स इसमें डालते हैं। जिससे इसकी विशेषता और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा तैयार मूनशाइन उबटन पैक, पूर्णतः आयुर्वेदिक और प्राकृतिक तत्वों से निर्मित है। यह स्किन को किसी प्रकार का नुकसान नही पहुंचाता है, बल्कि उसे चमकदार और स्वस्थ बनाता है। अगर इसे नियमित रूप से लगाया जाए तो ये स्किन को फ्रेश और नम बनाए रखता है। उबटन में पड़ने वाला हल्दी, चंदन, गुलाब और नीम डेड स्किन को हटाने के लिए बेस्ट तो है ही, बल्कि स्किन को चिकना बनाने में भी मदद करता है। दूध स्किन से काले दाग-धब्बे कम करने में मदद करता है। ये स्किन को चमकदार या ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। हम सभी में से ज्यादातर लोगों को स्किन की अलग-अलग तरह की समस्याएं होती हैं। जैसे स्किन में दाग-धब्बे होना, चेहरे पर झाईं होना, एक्ने, पिंपल या फिर मुंहासे के निशान बनना, ब्लैकहेड्स, व्हाइट हेड्स आदि। उबटन इन सारी समस्याओं का एक उपाय हो सकता है। उबटन को नियमित रूप से लगाने पर ये हमें निखरी और बेदाग त्वचा देता है। इसके अलावा अगर धूप में ज्यादा देर तक रहने के कारण स्किन टैन हो गई है तो भी आप उबटन लगाकर फायदा पा सकते हैं।

हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए मान सरकार का बड़ा कदम: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार हाशिए पर रह रहे और जरूरतमंद वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है, ताकि कोई भी बच्चा केवल आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों से वंचित न रह जाए।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा अपने चार वर्षों के कार्यकाल के दौरान अनुसूचित जातियों से संबंधित पहली से दसवीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए मुफ्त पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति योजना के अंतर्गत 204.69 करोड़ रुपये की अदायगी पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड को की गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि हजारों

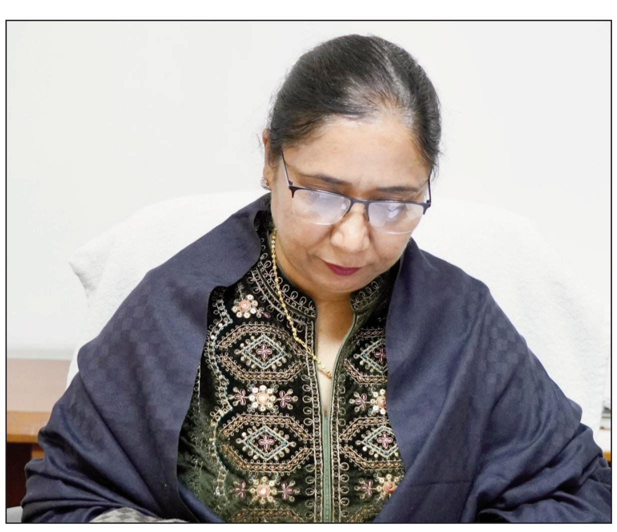

परिवारों के बच्चों की शिक्षा को मजबूत आधार प्रदान करने में सहायक साबित हो रही है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही वह सबसे बड़ी ताकत है, जो किसी भी बच्चे की किस्मत बदल सकती है। सरकार का मानना है कि शिक्षा के क्षेत्र में उठाया गया हर मजबूत कदम समाज के भविष्य को रोशन बनाता है। इसी सोच के साथ मान सरकार ऐसी जनहितैषी योजनाओं को लगातार आगे बढ़ा रही है, ताकि समाज के हर वर्ग के बच्चों को बराबर अवसर मिल सकें और वे अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाए जा रहे ये कदम केवल सुविधाएं उपलब्ध करवाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राज्य में सामाजिक समानता, शिक्षा और खुशहाली को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल हैं। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि जब समाज का हर बच्चा शिक्षा से जुड़ेगा, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा और अपने सपने साकार करेगा, तभी रंगला पंजाब का सपना वास्तविक अर्थों में साकार होगा।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार आने वाले समय में भी सामाजिक न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में जनहितैषी पहलों को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाती रहेगी।

संक्षिप्त-समाचार

पॉलिसीबजार का गिफ्ट सिटी में विस्तार

चंडीगढ़ । जैसे-जैसे गिफ्ट सिटी वैश्विक भारतीयों के लिए वित्तीय उत्पादों तक पहुँच का नया स्वरूप तैयार कर रहा है, पॉलिसीबाजार अपने पेशकशों का विस्तार कर रहा है ताकि एनआरआई निवेश पहले से कहीं अधिक सहज और आसान हो सके। भारत के इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर में अपनी मौजूदगी के जरिए पॉलिसीबाजार अब 35 से ज्यादा देशों के एनआरआई को अमेरिकी डॉलर में निवेश-लिंक्ड इंश्योरेंस सॉल्यूशंस उपलब्ध करा रहा है। साथ ही, गिफ्ट सिटी वैश्विक रीइंश्योरेंस ऑपरेशंस का भी केंद्र बन रहा है, जहाँ कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां आईएफएससी में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। पॉलिसीबाजार के गिफ्ट सिटी ब्रांच के प्रिंसिपल ऑफिसर बिमल मेनन ने कहा कि गिफ्ट सिटी अब हमारे एनआरआई ग्राहक आधार में 50 प्रतिशत से अधिक यो गदान दे रहा है। यह धीरे-धीरे वैश्विक भारतीय निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। एनआरआई समुदाय में गिफ्ट सिटी एक मजबूत निवेश हब के रूप में तेजी से उभर रहा है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का किया विस्तार

चंडीगढ़ । एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने वर्ष 2026 के लिए अपने होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो का बड़ा विस्तार करते हुए नई किफायती-प्रीमियम और प्रीमियम रेंज लॉन्च की है। कंपनी ने बाजार में फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स, एआई डीडी वॉशिंग मशीन्स, कन्वर्टिबल ओवन और ह्यट्रू स्टीमह्व डिशवॉशर जैसे अत्याधुनिक उत्पाद पेश किए हैं। इसके साथ ही एलजी ने अपनी लोकप्रिय ह्यएसेंशियल सीरीजह्व का भी विस्तार किया है, जिसे खास तौर पर भारतीय परिवारों की जरूरतों और बजट को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के अनुसार, नई रेंज आधुनिक डिजाइन, उन्नत तकनीक और बेहतर प्रदर्शन का बेहतरीन मिश्रण है। एलजी का उद्देश्य प्रीमियम तकनीक को अधिक से अधिक भारतीय घरों तक पहुंचाना है, ताकि उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और सुविधाजनक तकनीक का अनुभव मिल सके। इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर होंग जू जीयोन ने बताया कि, भारत एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक बाजार है। हमारा लक्ष्य केवल कारोबार बढ़ाना नहीं, बल्कि भारतीय जीवनशैली के अनुरूप आधुनिक और सार्थक तकनीक उपलब्ध कराना है। नई एसेंशियल सीरीज और प्रीमियम रेंज के जरिए हम हर वर्ग और हर बजट के उपभोक्ताओं के लिए बेहतर विकल्प पेश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम मेक-इन-इंडिया और मेक-फॉर-इंडिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहे हैं। इसके साथ ही हमने मेक-इंडिया-ग्लोबल विजन के तहत एसेंशियल सीरीज के उत्पादों को एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 देशों में निर्यात करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

पेटीएम ने वित्त वर्ष 26 में पहली बार पूरे साल मुनाफा कमाया

चंडीगढ़ । पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने वित्त वष 2026 में पहली बार पूरे साल का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी का कुल रेवेन्यू 22 प्रतिशत बढ़कर रुपए 8,437 करोड़ रहा, जबकि पीएटी (शुद्ध लाभ) रुपए 552 करोड़ और ईबीआईटीडीए रूप्ये 502 करोड़ रहा। कंपनी ने बताया कि यह वृद्धि उपभोक्ता और व्यापारी भुगतान सेवाओं में बढ़ती हिस्सेदारी और एआई आधारित लागत बचत की वजह से हुई है। माच 2026 तिमाही में पेटीएम का ऑपरेटिंग रेवेन्यू रुपए 2,264 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल 18 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान कंपनी का मर्चेंट जीएमवी 27 प्रतिशत बढ़कर रूप्ये 6.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया। पेटीएम के सब्सक्रिप्शन मर्चेंट्स की संख्या बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई, जिसमें पिछले एक साल में 27 लाख नए व्यापारी जुड़े। वित्तीय सेवाओं के वितरण से होने वाली आय 38 प्रतिशत बढ़कर रुपए 750 करोड़ पहुंच गई। कंपनी ने व्यापारी और उपभोक्ता लोन वितरण में मजबूत वृद्धि दर्ज की। वहीं, पेटीएम का यूपीआई भुगतान कारोबार भी तेजी से बढ़ा, जहां ग्राहक यूपीआई जीटीवी 46 प्रतिशत बढ़कर रुपए 5.5 लाख करोड़ हो गया और मासिक ट्रांजैक्शन करने वाले यूजस की संख्या बढ़कर 7.7 करोड़ पहुंच गई।

किसानों को नकली और एक्सपायर्ड उत्पाद बेचने वालों को नहीं बख्शा जाएगा: गुरमीत सिंह खुड्डियां

भगवंत मान सरकार द्वारा फरीदकोट में गैर-कानूनी खाद और कीटनाशक यूनिट का पदार्फाश, एफआईआर दर्ज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में नकली खेती उत्पादों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने फरीदकोट की एक आवासीय संपत्ति पर छापा मारकर बिना किसी लाइसेंस या कानूनी अनुमति के चल रही गैर-कानूनी खाद और कीटनाशक पैकेजिंग यूनिट का पदार्फाश किया है। आज सिटी पुलिस स्टेशन, फरीदकोट में उस मकान के मालिक राजिंदर सेठी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है, जहां से गैर-कानूनी और एक्सपायर्ड खेती की वस्तुएं बरामद हुई हैं। इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए पंजाब कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी पर कार्रवाई करते हुए कृषि विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में मकान नंबर 87, गली नंबर 2, नारायण नगर, फरीदकोट में छापेमारी की। उक्त संपत्ति के मालिक की पहचान राजिंदर सेठी के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर गैर-कानूनी खाद और कीटनाशक पैकेजिंग यूनिट चला रहा था। यह नकली और कम गुणवत्ता वाला खेती का माल वह मेसर्स अमरावती एग्रो कॉर्पोरेशन, नालागढ़, सोलन, हिमाचल प्रदेश से प्राप्त करता था। बरामद किए गए खेती उत्पादों की विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

उन्होंने आगे बताया कि आगे की जांच से पता चला कि सेठी का फरीदकोट जिले से जारी रिटेल खाद लाइसेंस एक्सपायर्ड हो चुका था, फिर भी वह खाद नियंत्रण आदेश, 1985 का उल्लंघन करते हुए व्यापारिक गतिविधियां चला

रहा था। सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि कृषि विभाग की टीम ने लैबोरेटरी जांच के लिए इस मकान से नकली खाद के 18 सैंपल एकत्र किए हैं। इसके अलावा मौके से एक्सपायर्ड खाद के दो बैच और आठ एक्सपायर्ड कीटनाशक भी जब्त किए गए हैं। एक्सपायर्ड स्टॉक के औपचारिक सैंपल नहीं लिए गए क्योंकि उत्पाद स्पष्ट रूप से खराब, अनुपयोगी और शेल्फ-लाइफ नियमों का उल्लंघन करने वाले थे।

टीम को यह भी पता चला कि राजिंदर सेठी अपनी आवासीय जगह से बिना किसी कानूनी अनुमति या लाइसेंस के एक गैर-कानूनी पैकेजिंग यूनिट चला रहा था। उल्लेखनीय है कि छापेमारी के दौरान संदिग्ध नकली खाद की बिना मार्के वाली और खुली बोरीयां बरामद की गईं तथा गैर-कानूनी रिपैकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले सिलाई और सीलिंग उपकरण भी बरामद किए गए।

कृषि विभाग की टीम की शिकायत पर फरीदकोट पुलिस ने राजिंदर सेठी के विरुद्ध बी.एन.एस. 2023 की धारा 318(4) और 61(2); खाद नियंत्रण आदेश 1985 की धाराएं 7 और 8; जरूरी वस्तुएं (ईसी) अधिनियम 1955 की धाराएं 3(2)(डी) और 7; कीटनाशक अधिनियम 1968 की धाराएं 13, 17, 18, 23, 29 और 33 तथा कीटनाशक नियम 1971 के नियम 10, 12, 15 और 36 के तहत केस दर्ज किया गया है।

राज्य भर के किसानों से किसी भी संदिग्ध खाद या कीटनाशक आउटलेट की विभाग को रिपोर्ट करने की अपील करते हुए सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा, यह आपराधिक लापरवाही और किसानों के साथ जानबूझकर की गई धोखाधड़ी का मामला है। आवासीय क्षेत्र में गैर-कानूनी पैकेजिंग यूनिट चलाना, एक्सपायर्ड कीटनाशकों को स्टोर करना और बिना लाइसेंस के कारोबार चलाना न माफी योग्य अपराध है। हम इस छापेमारी पर नहीं रुकेंगे बल्कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार हिमाचल प्रदेश आधारित फर्म समेत पूरी सप्लाई चेन की जांच करेगी। पंजाब के किसानों को नकली या एक्सपायर्ड खेती साधनों को बेचने में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शा जाएगा।

अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक संदेशों का आदान प्रदान तेज

ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ अब समझौता संभव, तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं

ईरान के विदेशमंत्री पहुंचे चीन, समकक्ष से की वार्ता

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/बीजिंग

फोटोः हि.स.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत हुई है। अब यह पूरी तरह संभव है कि हम कोई समझौता कर लें। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि तेहरान ने अभी तक वाशिंगटन के ताजा प्रस्ताव पर कोई औपचारिक जवाब नहीं दिया है, लेकिन मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए कूटनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जारी है।

इस बीच ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अमेरिकी सेना के प्रोजेक्ट फ्रीडम ऑपरेशन को रोक दिया है। उधर, ईरान के विदेशमंत्री चीन पहुंचे हैं। वहां उन्होंने इस समझौते के संबंध में बातचीत की है। अल जजीरा, सीबीएस न्यूज और तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार को ओवल ऑफिस में एक सवाल पर कहा कि ईरान के साथ बातचीत के लिए कोई समय सीमा तय नहीं है, लेकिन समझौता जरूर होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को आमने-सामने की बातचीत के लिए ईरान भेजना अभी जल्दबाजी होगी। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक संदेशों का आदान प्रदान तेज उन्होंने कहा कि ईरान जल्द से जल्द समझौता करना चाहता। ट्रंप ने दोहराया कि अगर अमेरिका अभी ईरान को छोड़ देता है, तो उसे दोबारा खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे। उनका मानना है कि ईरान पतन के कगार पर है। वह हार मानने को तैयार है। ट्रंप ने स्टॉक मार्केट के ऊपर जाने और तेल की कीमतों के नीचे आने की बात की। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध का जितना असर ईरान पर पड़ रहा है, उतना ही आर्थिक असर अमेरिका में भी पड़ रहा है। उधर, ईरान के शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को बीजिंग में अपने समकक्ष वांग यी सहित चीन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। वांग ने चीन को ईरान का एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बताया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव के बीच मैक्रों की अपील- सभी पक्ष तुरंत हटाएं नाकेबंदी

पेरिस/तेहरान। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही सामान्य करने की जोरदार अपील की है। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत के बाद कहा कि सभी पक्षों को बिना किसी शर्त और देरी के इस अहम समुद्री मार्ग से नाकेबंदी हटानी चाहिए। मैक्रों ने अपने बयान में कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए यहां पहले जैसी निर्बाध आवाजाही बहाल करना जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालिया घटनाएं दिखाती हैं कि इस क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने फ्रांस और ब्रिटेन की ओर से प्रस्तावित एक बहुराष्ट्रीय मिशन का भी जिक्र किया, जिसका उद्देश्य इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने अन्य देशों से भी इस पहल में शामिल होने पर विचार करने का आग्रह किया। मैक्रों ने कहा कि वे इस मुद्दे पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी चर्चा करेंगे। दूसरी ओर, ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने बातचीत के दौरान अमेरिका के प्रति अपने देश के गहरे अविश्वास को दोहराया। ईरानी पक्ष का कहना है कि क्षेत्र में तनाव के पीछे बाहरी शक्तियों की भूमिका भी अहम है और किसी भी समाधान के लिए आपसी सम्मान और भरोसे की जरूरत होगी।

इंटरपोल ने देउवा दंपति के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए नेपाल सरकार से मांगे और सबूत

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

इंटरपोल ने नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी तथा पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इंटरपोल ने अतिरिक्त कागजातों का विवरण एनसीबी (नेशनल सेंट्रल ब्यूरो) काठमांडू से मांगा है। एनसीबी के प्रमुख सिद्धि विक्रम शाह ने कहा, रेड नोटिस की प्रक्रिया अभी जारी है। इंटरपोल ने आवश्यक अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं।

पिछले माह 7 अप्रैल को देउवा दंपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। संपत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग के पत्र के आधार पर काठमांडू जिला अदालत ने उनके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बाद उन्हें नेपाल वापस लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई थी। देउवा दंपति के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए एनसीबी काठमांडू ने औपचारिक रूप से इंटरपोल को पत्र भेजा था। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के समय देउवा दंपति विदेश में थे। चुनाव से पहले 26 फरवरी को वे उपचार के लिए सिंगापुर गए थे। वहां से 21 मार्च को उनके हांगकांग जाने की जानकारी सामने आई थी। इससे पहले भी जेनजी आंदोलन के बाद इलाज के लिए देउवा दंपति सिंगापुर गए थे, लेकिन उस समय उपचार के बाद वे नेपाल लौट आए थे। 26 फरवरी को देश छोड़ने के बाद वे अब तक नेपाल नहीं लौटे हैं। वे फिलहाल हांगकांग में हैं।

यदि रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो जाता है, तो इंटरपोल के 196 सदस्य देशों की पुलिस देउवा दंपति को गिरफ्तार कर सकती है। गिरफ्तारी के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें नेपाल लाया जा सकता है। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद शेरबहादुर देउवा ने कहा था कि वह खुली किताब की तरह हैं। उन्होंने संपत्ति संबंधी आरोपों को भ्रामक और झूठा बताते हुए कहा था कि सार्वजनिक पद पर रहते हुए उन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण सरकारी निकायों में प्रस्तुत किया था।

उपचार के लिए विदेश में होने की बात स्वीकार करते हुए भी उन्होंने यह खुलासा नहीं किया था कि वे किस देश में रह रहे हैं। शेरबहादुर देउवा के रिश्तेदार प्रदीप शमशेर जबरा, भूषण राणा और जयवीर देउवा सहित अन्य लोगों के कारोबारी लेनदेन की भी जांच की जा रही है। इससे पहले आरजू राणा देउवा का नाम नकली भूटानी शरणार्थी प्रकरण में भी जोड़ा गया था।

देउवा परिवार ने बुढानीलकण्ठ में एक ही परिसर के भीतर दो मकान बनाए थे। जेनजी आंदोलन के दौरान वे उसी घर में रह रहे थे। उस समय देउवा दंपति पर हमला भी हुआ था और घर में आगजनी की घटना भी हुई थी। गत वर्ष 8-9 सितंबर को हुए जेनजी आंदोलन के दौरान बुढानीलकण्ठ स्थित देउवा निवास से जले हुए नोट बरामद किए गए थे। वहां मिले नोटों का वीडियो भी सार्वजनिक हुआ था।

कच्चा तेल फिर 101 डॉलर प्रति बैरल पार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी स्थिरता देखने को मिल रही है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.62 डॉलर यानी 0.61 फीसदी की तेज के साथ 101.9 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.65 डॉलर यानी 0.68 फीसदी की उछाल के साथ 95.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले दोनों बेंचमार्क में करीब 8 फीसदी की बड़ी गिरावट आई थी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका-ईरान वार्ता के सकारात्मक संकेतों और आपूर्ति में सुधार की उम्मीदों के कारण वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में नरमी आई है, जिसमें डब्ल्यूटीआई प्रमुख अमेरिकी बेंचमार्क बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के पावर और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी पर दो सप्ताह के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में ये गिरावट आई है।

शुभेंदु अधिकारी ने निजी सहायक रथ की हत्या को बताया पूर्वनियोजित

कार्यकर्ताओं से संयम रखने की अपील

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या को पूर्व नियोजित करार दिया है। संवाद माध्यमों से शुभेंदु ने कहा उनके सहायक चंद्रनाथ रथ की पूर्व परिकल्पित योजना के अनुसार बेरहमी से हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि रथ के परिवार और घायलों के इलाज की सारी जिम्मेदारी टीम उठाएगी।

शुभेंदु ने कहा कि इस हत्या से राजनीति जुड़ी हो सकती है। हालांकि, वह अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। उन्होंने राज्य पुलिस के महानिदेशक सिद्धनाथ गुप्ता से बात की। शुभेंदु ने दावा किया कि उचित जांच के लिए पुलिस से फुटेज के बारे में कोई जानकारी नहीं मांगी गई। उन्होंने कहा कि जांच के लिए पुलिस पर भरोसा किया जा रहा है। आश्वासन दिया गया है कि अपराधी जल्द पकड़े जायेंगे। शुभेंदु ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे इस स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें। शांति बनाए रखें।उल्लेखनीय है कि अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले में उनके साथ मौजूद ड्राइवर बुद्धदेव बेड़ा भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बुधवार देरात करीब 11:15 बजे चंद्रनाथ रथ अपनी गाड़ी से माध्यमग्राम इलाके से गुजर रहे थे। तभी बाइक सवार कुछ अज्ञात हमलावरों ने उनकी कार को बीच सड़क रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कार रुकते ही हमलावरों ने बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

चंद्रनाथ रथ के सीने में कई गोलियां लगीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर हालत में उन्हें तुरंत पास के विवा सिटी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ड्राइवर बुद्धदेव बेड़ा को भी गोली लगी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें कोलकाता के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर मिलते ही शुभेंदु अधिकारी, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, सांसद अर्जुन सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता देरात अस्पताल पहुंचे।

राहुल सिन्हा ने की चंद्रनाथ हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग, शमिक ने बताया पूर्व नियोजित

मध्यमग्राम। भाजपा के राज्यसभा सदस्य राहुल सिन्हा ने शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। गुरुवार सुबह मध्यमग्राम में पत्रकारों से उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक हत्या है। इसकी पूरी जांच की जा रही है। टी. एम. सी. शासन के दौरान सी. बी. आई. जांच करती थी और राज्य पुलिस सबूत नष्ट करती थी, लेकिन अब वह समय बदल गया है। भाजपा अब केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में है। सी. बी. आई. और सी. आई. डी. नई सरकार के साथ काम करना शुरू कर देंगे और हम इस साजिश को रचने वाले टी. एम. सी. के लोगों को नहीं बख्शेंगे। हम हिंसा को बर्दाश्त नहीं करते हैं, लेकिन हम अपने कार्यकर्ताओं को उनके खून की हर बूंद के लिए कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराएंगे और जमीनी स्तर पर उन्हें करारा जवाब देंगे।

संक्षिप्त-समाचार

महिला के गले से सोने की चैन छीनने का आरोपित गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी की दिसपुर थाने की पुलिस ने एक महिला के गले से चैन छीनने के आरोप में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान विशाल सिंह के रूप में की गयी है। पुलिस ने गुरुवार को बताया की चेन छिनैती के मामले में बिहार निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक विशाल सिंह मूल रूप से बिहार के भागलपुर का निवासी बताया गया है। गिरफ्तार आरोपित एक महिला के गले से चेन छीन कर फरार हो गया था। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने छीनी गई चेन के अलावा एक बाइक जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपित के ऊपर गुवाहाटी में चेन छिनैती के अन्य कई मामलों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बहन के साथ सोई युवती की गोली मारकर हत्या

अररिया। फारबिसगंज के घोड़ाघाट वार्ड संख्या एक में गुरुवार सुबह आठ बजे घर में घुसकर कासिम नामक युवक ने एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। युवती चांदनी अपनी छोटी बहन फरहीन के साथ सोई हुई थी।इसी दौरान युवक घर में घुसकर गोली मार दिया।मृतका युवती चांदनी पिता मो.गयासुद्दीन की इसी माह में बकरीद के बाद शादी होने वाली थी।गोली लगने के बाद युवती को परिजनों और अगल बगल के लोगों के द्वारा आनन फानन में फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया,जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ कृष्णमोहन ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,सब इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार मिश्र,बबीता कुमारी,रेखा कुमारी पुलिस बलों के साथ अनुमंडलीय अस्पताल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

युवती ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दुम्बीसाई गांव में गुरुवार सुबह चाईबासा सिविल कोर्ट के सेवानिवृत्त सहायक क्लर्क चक्रधर बारी की पुत्री शबनम बारी (35) ने खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार, शबनम बारी बुधवार रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। गुरुवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिवार के लोगों को चिंता हुई। जब परिजन कमरे के अंदर पहुंचे तो शबनम को रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ पाया। यह दृश्य देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने तत्काल उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। परिजनों के मुताबिक, शबनम पिछले काफी समय से मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रही थी। बताया गया कि नौकरी नहीं मिलने और शादी में लगातार हो रही देरी को लेकर वह काफी परेशान रहती थी। परिवार वालों का कहना है कि वह अक्सर अपने भविष्य को लेकर चिंता जाहिर करती थी और मानसिक रूप से टूटती जा रही थी। हालांकि परिवार ने उसे संभालने और समझाने का प्रयास भी किया था।

खड़ी ट्रॉली से टकराई बाइक, एक युवक की मौत, दो घायल

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर देहात ब्यावरा थाना क्षेत्र के पीपलबे आश्रम जोड़ के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली से तेज रफ्तार बाइक पीछे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद षव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच षुरु की। पुलिस के अनुसार गुरूवार रात, संकटमोचन राजगढ़ निवासी मिथुन (26) पुत्र देवीसिंह वाल्मीकि, धर्मराज (30) पुत्र देवीसिंह वाल्मीकि और मुकेश (34) पुत्र रामप्रसाद वाल्मीकि बाइक से ब्यावरा से राजगढ़ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पीपलबे आश्रम जोड़ के पास सड़क पर खड़ी ट्रॉली से उनकी बाइक जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान मिथुन वाल्मीकि ने दम तोड़ दिया। वहीं धर्मराज की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया। मुकेश का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच षुरु की।

बुलेट के साइलेंसर से तेज आवाज करने से रोकना पुलिस को पड़ा भारी, अलवर में थाने पर पथराव

अलवर। जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात बुलेट बाइक के साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज निकाल स्टंट कर रहे कुछ युवकों को रोकना पुलिस को भारी पड़ गया। पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने के बाद आक्रोशित भीड़ ने थाने पर पथराव कर दिया। घटना में थाना अधिकारी धर्म सिंह सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे दो युवक बुलेट बाइक पर स्टंट करते हुए साइलेंसर से पटाखों जैसी तेज आवाजें निकाल रहे थे। इससे परेशान ग्रामीणों ने इसकी शिकायत गोविंदगढ़ थाना पुलिस से की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को ऐसा करने से रोका। इस दौरान दोनों युवक पुलिसकर्मियों से उलझ गए। पुलिस दोनों युवकों की बुलेट बाइक जब्त कर थाने ले आई। बाइक जब्त किए जाने से नाराज होकर करीब 100 से अधिक लोग थाने पहुंच गए और अचानक पथराव शुरू कर दिया। आरोप है कि भीड़ ने पुलिस पर लाठी-डंडों से भी हमला किया तथा पुलिस वाहन के शीशे तोड़ दिए। घटना में थाना अधिकारी धर्म सिंह समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पथराव के बाद थाने परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जगह-जगह खून के निशान दिखाई दिए। मामले को लेकर एडिशनल एसपी प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि घटना के बाद करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों के अनेक कैडर गिरफ्तार

हथियार व विस्फोटक बरामद

एजेंसी (हि.स.)
इम्फाल

मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के कई कैडरों को गिरफ्तार किया। गुरुवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी, हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान भी बरामद किए गए।

सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र स्थित लामलोंगेई आवांग लेकाई निवासी केसीपी (पीएससी- पोलित ब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी) के कैडर हाओबाम जॉनसन मैतेई (25) उर्फ सनाथोई उर्फ सागेई को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी संगठन की एक महिला कैडर सलाम ओंगबी कोंजेंगबाम करुणा देवी (51) उर्फ पिपिक को भी इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद मेइनो लेइराक स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 6.81 लाख रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। एक अन्य अभियान में प्रीपाक (पीआरओ) के कैडर वांगखेम रोहित सिंह उर्फ अंगखेई (25) को चिंगमेइरोंग मानिंग लेकाई स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और 1400 रुपये नकद बरामद हुए। वहीं, मणिपुर पुलिस ने तीन मई को इंफाल एयरपोर्ट के निकट हुए विस्फोट मामले में संलिप्त केसीपी (पीएससी) के कैडर लैशराम इबोमचा मैतेई (47) को इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपित को 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया है और मामले की आगे जांच जारी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड भी बरामद किया गया।

इससे पहले सुरक्षा बलों ने यूकेएनए के स्वयंभू लेफ्टिनेंट सीमेनलाल हाओकिप (22) को चुराचांदपुर जिले के एम सोंगगेल गांव से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के आधार पर सुरक्षा बलों ने एस खोलें और उखा लोइखाई के जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक 7.62 एमएम एके-47 राइफल, एक एके मैगजीन, एक ब्लॉक .32 एसीपी पिस्तौल, एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन, विभिन्न बोर के 26 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, चार आईईडी, एक रेडियो सेट, एक मारुति जिप्सी वाहन तथा एक स्मार्टफोन बरामद किया गया।

कांगों में एडीएफ ने 20 लोगों की हत्या की

एजेंसी (हि.स.)
किंशासा (कांगो)

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एडीएफ) के विद्रोहियों के हमले में कम से कम 22 नागरिक मारे गए। एडीएफ कांगो के पूर्वी हिस्से में सक्रिय सबसे घातक और खूंखार विद्रोही समूह है। 1990 के दशक के मध्य में युगांडा में सरकार विरोधी विद्रोही गुट के रूप में जन्मा यह समूह अब मुख्य रूप से कांगो में अपना आतंक फैला रहा है।

केबीसी चैनल 1 न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कांगो में एडीएफ विद्रोहियों में मंगलवार आधीरात से बुधवार सुबह के बीच उत्तरी किवू प्रांत में बेनी क्षेत्र के ब्यू मन्यामा शहर में हमला किया। विद्रोहियों ने धारदार हथियारों का इस्तेमाल करते हुए 22 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। यह समूह इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) का सहयोगी है। एडीएफ हजारों नागरिकों को मौत के घाट उतार चुका है। इसे अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। एडीएफ को खत्म करने के लिए कांगो की सेना, संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक और युगांडा की सेना लगातार संयुक्त सैन्य अभियान चला रहे हैं।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 56 अंक उछला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 100 अंकों से अधिक की बढ़त दिखी और निफ्टी 24,350 के पार चला गया। हालांकि, उसके बाद बिकवाली के दबाव से शेयर बाजार में नरमी नजर आने लगी। शुरूआती कारोबार में ट्रेंट और एसबीआई के शेयर शीर्ष लाभ में रहे। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 55.95 अंक यानी 0.072 फीसदी की उछाल के साथ 78,014.48 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 35.60 यानी 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ 24,366.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। ऑटो और मेटल सेक्टक मार्केट को ऊपर लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर मार्केट पर दबाव बनाने की कोशिश में है। आज के कारोबार में आईटी, ऑटो और मीडिया के शेयरों में बढ़त देखने को मिल रही है।उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 941 अंक की तेजी के साथ 77,959 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 298 अंक की तेजी रही, जो 24,331 के स्तर पर बंद हुआ था।

मंजूरी ‘वंदे मातरम’ को मिला राष्ट्रगान के समान वैधानिक दर्जा

सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक विरासत का सम्मान: साय

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार के एक ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम’ को राष्ट्रीय गान (जन गण मन) के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह निर्णय भारत की एकता और अखंडता को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

वीरवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ‘राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971’ में संशोधन को स्वीकृति दी है। इस संशोधन के बाद अब 'वंदे मातरम्' के प्रति किसी भी प्रकार का अनादर करने पर वही दंडात्मक कार्रवाई की जा सकेगी, जो राष्ट्रगान के अपमान की स्थिति में लागू होती है।

मुख्यमंत्री साय ने इस निर्णय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक या कानूनी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भारत की उस गहरी सांस्कृतिक चेतना का सम्मान है जिसने सदियों से हमें एक सूत्र में पिरोए रखा है। उन्होंने कहा, ‘वंदे मातरम’ केवल कुछ शब्द नहीं हैं, बल्कि यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम की वह अग्नि है, जिसने करोड़ों देशवासियों के भीतर स्वराज्य की अलख जगाई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित यह गीत आज भी हर भारतीय के हृदय में मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण और सेवा भाव पैदा करता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ब्रिटिश काल में 'वंदे मातरम' का उद्घोष करना अपराध माना जाता था, फिर भी क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को चूमते समय इसी गीत का गान किया। आज के इस निर्णय ने उन वीर शहीदों के बलिदान को एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च सम्मान दिलाया है।

विदित हो कि अब तक 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' के तहत मुख्य रूप से राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और भारत के मानचित्र के अपमान को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया था। हालांकि 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त था, लेकिन इसे राष्ट्रगान जैसी कानूनी सुरक्षा प्राप्त नहीं थी। अब 'वंदे मातरम' के गायन में व्यवधान उत्पन्न करने या इसका अपमान करने पर तीन साल तक की जेल या जुमार्ना अथवा दोनों हो सकते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में इसके गायन के दौरान मयार्दा और सम्मान के मानकों को स्पष्ट किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति देश के युवाओं में सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस निर्णय के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के प्रयासों से राष्ट्र की अस्मिता से जुड़े इन विषयों को कानूनी रूप से संरक्षित किया जा रहा है, जो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

हॉकी इंडिया ने कीऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। यह सीरीज 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी।

चार मैचों की यह सीरीज 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान 42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया।

भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएगी चार मैचों की सीरीज

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को सौंपी गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर संभालेंगी।

पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, शिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी हैं। केतन मैदान पर स्वाभाविक नेता हैं और मैं देखना चाहता हूं कि यह टीम ऑस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है। महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। टीम चयन पर रानी ने कहा, हमने टीम को घटाकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्होंने शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया। स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है। भोपाल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का स्पष्ट आकलन मिलेगा। एशिया कप से पहले यह सीरीज टीम के लिए अंतिम बड़ी तैयारी है।

फोटोः हि.स.

पुरुष टीम

गोलकीपरः सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बाड़ा **डिफेंडरः** अंश बहुत्रा, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपकप्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक **मिडफील्डरः** प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, वरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी **फॉरवर्डः** आकाश दीप, केतन कुशवाहा (कप्तान), शाहरुख अली, गाजी खान, प्रहलाद राजभर, सिद्धार्थ बेन, जैसन कंदुलना।

महिला टीम

गोलकीपरः महक परिहार, हैरी, खिली कुमारी **डिफेंडरः** सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, दिव्या यादव, सुलोचनी **मिडफील्डरः** श्रुति कुमारी, दिया, हर्षिता, रश्मीन कौर, लामिंगनबी अकोइजाम, नैन्सी सरोहा, टोंगब्रैम लांचेनबी देवी, स्नेहा दावड़े **फॉरवर्डः** नौशीन नाज, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नम्मी गीताश्री, प्रिंसेस प्रिया एक्का, पुष्पा मांझी।

मैनचेस्टर सिटी ने 10 साल बाद जीता विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ब्राइटन

मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार को एक दशक बाद पहली बार विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। खिताब की दौड़ में बची आखिरी चुनौती देने वाली टीम आर्सेनल को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया, जिसके बाद मैनचेस्टर सिटी चैंपियन बन गई। मैनचेस्टर सिटी ने 22 में से 21 मुकाबले खेलकर 52 अंक हासिल किए हैं। दूसरी ओर आर्सेनल को शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने जरूरी थे, लेकिन ब्राइटन के खिलाफ ड्रॉ के बाद उसका सपना टूट गया और खिताब नॉर्थ लंदन के बजाय नॉर्थ-वेस्ट पहुंच गया।

पिछले सप्ताह ओएल लियोनेस के खिलाफ हारकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल से बाहर होने वाली आर्सेनल टीम पर इस मुकाबले में दबाव साफ नजर आया। मैच के पहले हाफ के अंत से ठीक पहले फुका सुनोडा ने गोल कर ब्राइटन को बढ़त दिला दी। हालांकि, नॉर्वे की मिडफील्डर फ्रिडा मानुम ने एक घंटे के खेल के बाद आर्सेनल के लिए बराबरी का गोल दागा, लेकिन टीम अंतिम समय तक जीत दिलाने वाला गोल नहीं कर सकी। इस परिणाम के साथ मैनचेस्टर सिटी ने 10 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद विमेंस सुपर लीग ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

आईपीएल में बल्लेबाजी के बढ़ते दबदबे के बीच गेंदबाजों के लिए 'होमवर्क' अनिवार्यः जेम्स फ्रेंकलिन

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में जिस तरह से बल्लेबाज गेंदबाजों पर हावी हो रहे हैं और बड़े स्कोर बनाए जा रहे हैं, उसे देखते हुए गेंदबाजों की चुनौती कई गुना बढ़ गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रेंकलिन का मानना है कि इस 'बल्लेबाजी प्रधान' टूर्नामेंट में जीवित रहने के लिए गेंदबाजों को अब केवल प्रतिभा पर नहीं, बल्कि सूक्ष्म रणनीतिक तैयारी और डेटा पर निर्भर रहना होगा। फ्रेंकलिन ने स्पष्ट किया कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अब बल्लेबाजों की आक्रामकता और उनके रन बनाने के पसंदीदा तरीकों की गहरी और बारीकी समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि गेंदबाज बिना योजना के मैदान पर उतरता है, तो आईपीएल की मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप उसे टिकने का मौका नहीं देगी। फ्रेंकलिन ने अपने तर्क को पुख्ता करने के लिए कप्तान पैट कमिंस की उस रणनीतिक चाल का उदाहरण दिया, जिसने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच का पासा पलट दिया था।

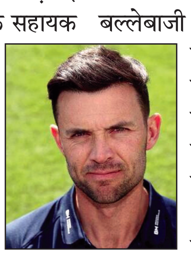

उन्होंने बताया कि टीम ने पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य की बल्लेबाजी शैली का गहन विश्लेषण किया था। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पैट कमिंस और मुख्य कोच डेनियल विटोरी खेल की बारीकियों पर बहुत ध्यान देते हैं। प्रियांश आर्य के मामले में हमें पता था कि उनकी कमजोरी क्या है। वे 'पुल शॉट' खेलने के शौकीन हैं, भले ही गेंद उसके लिए सही न हो। कमिंस ने जानबूझकर उन्हें ऑफ-स्टंप के बाहर बाउंसर फेंका। आर्य वहां अपर-कट खेल सकते थे, लेकिन अपनी आदत के अनुसार उन्होंने पुल शॉट खेला और गेंद सीधे डीप स्क्वेयर लेग पर खड़े एशान मलिंगा के हाथों में चली गई।

पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को बाहर कर चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह

अब आर्सेनल से होगी टक्कर

एजेंसी (हि.स.)
म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख के खिलाफ सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने कुल 6-5 की बढ़त के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को एलियांज एरिना में खेला गया।

पिछले सप्ताह पेरिस में खेले गए पहले चरण के रोमांचक मुकाबले में 5-4 की बढ़त हासिल करने वाली लुइस एनरिके की टीम ने इस मैच में भी शुरूआती बढ़त बना ली। उस्मान डेम्बेले ने मैच के शुरूआती मिनटों में गोल कर पीएसजी की कुल बढ़त को और मजबूत कर दिया। बायर्न म्यूनिख के लिए हैरी केन ने अतिरिक्त समय में गोल जरूर किया, लेकिन जर्मन क्लब अतिरिक्त समय तक मुकाबले को ले जाने के लिए जरूरी दूसरा गोल नहीं कर सका। अब पीएसजी का सामना 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल से होगा। एलियांज एरिना वही मैदान है, जहां पिछले साल पीएसजी ने इंटर मिलान को हराकर पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता था। फ्रेंच चैंपियन पीएसजी अब 1990 के बाद लगातार दो बार चैंपियंस लीग जीतने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले यह उपलब्धि रियल मैड्रिड ने हासिल की थी। मुकाबले के पहले हाफ में बायर्न म्यूनिख कई रेफरी फैसलों से नाराज नजर आया, लेकिन टीम लंबे समय तक साफ मौके बनाने में संघर्ष करती रही। छह बार की यूरोपीय चैंपियन बायर्न म्यूनिख 2020 में लिस्बन में पीएसजी को हराकर खिताब जीतने के बाद से अब तक फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही है।

फोटोः हि.स.

मैच के तीसरे मिनट में ही पीएसजी ने कुल बढ़त दोगुनी कर दी, जब ख्विचा क्वारात्सखेलिया के पास पर डेम्बेले ने शानदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में मैनुएल नोयर ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया और डेज़िरे डूए के शॉट्स को रोककर बायर्न की उम्मीदें जिंदा रखीं। अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में हैरी केन ने टूर्नामेंट में अपना 14वां गोल दागा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और पीएसजी ने फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

गुकेश का शानदार प्रदर्शनः सिंदारोव को मात दी, वेसले सो के साथ खेला ड्रॉ

एजेंसी (हि.स.)
वारसा (पोलैंड)

भारतीय शतरंज के उभरते सितारे और विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर डी. गुकेश ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए पोलैंड के वारसा में आयोजित 'सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट' में जबरदस्त वापसी की है। पिछले दौर की हार को भुलाते हुए गुकेश ने पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के मजबूत खिलाड़ी जावोखिर सिंदारोव को पराजित किया, जबकि छठे दौर में अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर वेसले सो के खिलाफ मैच ड्रॉ खेलकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

इस टूर्नामेंट को गुकेश के लिए आगामी विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियों के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है। रैपिड वर्ग में अभी तीन राउंड और बाकी हैं, और गुकेश वर्तमान में 6 अंकों के साथ दौड़ में बने हुए हैं। टूर्नामेंट के पांचवें दौर में गुकेश का सामना उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव से था। दिलचस्प बात यह थी कि दोनों ही खिलाड़ी अपने पिछले मुकाबले हार चुके थे; गुकेश को पोलैंड के राडोस्लाव वोज्ताशेक ने हराया था, जबकि सिंदारोव को वेसले सो से हार झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में गुकेश ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया।

उन्होंने चाल दर चाल सिंदारोव को दबाव में रखा और बोर्ड पर अपनी पकड़ मजबूत की। सिंदारोव ने बचाव की कोशिश की, लेकिन गुकेश की सटीक चालों के सामने उनकी एक न चली। अंततः 52 चालों के लंबे संघर्ष के बाद सिंदारोव ने घुटने टेक दिए और गुकेश ने दो बहुमूल्य अंक हासिल किए। सिंदारोव को हराने के बाद गुकेश का सामना अमेरिकी दिग्गज वेसले सो से हुआ।

विश्व रेडक्रॉस दिवसः मानवता की निस्वार्थ सेवा का वैश्विक संकल्प

जब दुनिया युद्ध के बारूद, प्राकृतिक आपदाओं के मलबे और महामारियों के खौफ से कराह रही होती है, तब सफेद पृष्ठभूमि पर अंकित एक 'लाल प्लस' का निशान मरहम बनकर उभरता है। आज 8 मई है– 'विश्व रेडक्रॉस और रेड क्रीसेंट दिवस'। यह दिन केवल एक संस्था का स्थापना दिवस नहीं है, बल्कि यह उस अटूट मानवीय भावना का उत्सव है जो सरहदों, मजहबों और राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर केवल एक ही भाषा जानती है– 'सेवा'। वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम 'कीपिंग ह्यूमैनिटी अलाइव' (मानवता को जीवित रखना) रखी गई है। आज के इस दौर में, जहाँ तकनीकी विकास चरम पर है लेकिन मानवीय संवेदनाएं अक्सर हाशिए पर नजर आती हैं, यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि मानवता का अर्थ केवल जीवित रहना नहीं, बल्कि एक-दूसरे को जीवित रहने में मदद करना है।

सॉलफेरिनो का वह मंजर और एक व्यापारी का बदलता हृदय

रेडक्रॉस के जन्म की कहानी किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं है। बात 1859 की है, जब स्विट्जरलैंड के एक व्यवसायी जीन हेनरी ड्यूनेंट अपने व्यापार के सिलसिले में इटली यात्रा पर थे। वहाँ उन्होंने 'सॉलफेरिनो के युद्ध' की वो विभीषिका देखी, जिसने उनकी रूह कंपा दी। युद्ध के मैदान में हजारों सैनिक घायल पड़े थे, तड़प रहे थे और उनके पास न तो कोई दवा थी, न पानी और न ही कोई सहायता करने वाला। ड्यूनेंट ने अपने व्यापार को किनारे रखा और स्थानीय ग्रामीणों को इकट्ठा कर घायलों की सेवा शुरू की। उन्होंने यह नहीं देखा कि घायल सैनिक मित्र देश का है या शत्रु का। उनका एक ही नारा था– 'ट्यूटी फ्रेटली' (हम सब भाई हैं)। इसी अनुभव ने 'A मेमोरी ऑफ सॉलफेरिनो' नामक पुस्तक को जन्म दिया, जिसने अंततः 1863 में 'रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति' (ICRC) की नींव रखी। आज उसी महान मानवतावादी हेनरी ड्यूनेंट की जयंती पर पूरा विश्व उन्हें नमन करता है।

रेडक्रॉस की रीढ़ की हड्डी

रेडक्रॉस केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक दर्शन है। यह संस्था सात मूलभूत सिद्धांतों पर टिकी है, जो इसे दुनिया की सबसे निष्पक्ष एजेंसी बनाते हैं। **मानवताः** लोगों के कष्टों को दूर करने और जीवन की रक्षा का संकल्प। **निष्पक्षताः** बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग या राष्ट्रीयता के भेदभाव के मदद। **तटस्थताः** विवादों में किसी भी पक्ष का समर्थन न करना, ताकि सबका विश्वास बना रहे। **स्वतंत्रताः** सरकारी दबाव से मुक्त रहकर केवल मानवीय मूल्यों पर काम करना। **स्वैच्छिक सेवाः** लाभ की भावना के बिना निस्वार्थ योगदान। **एकताः** एक देश में केवल एक ही रेडक्रॉस सोसाइटी का होना। **सार्वभौमिकताः** पूरी दुनिया में समान जिम्मेदारी और अधिकार।

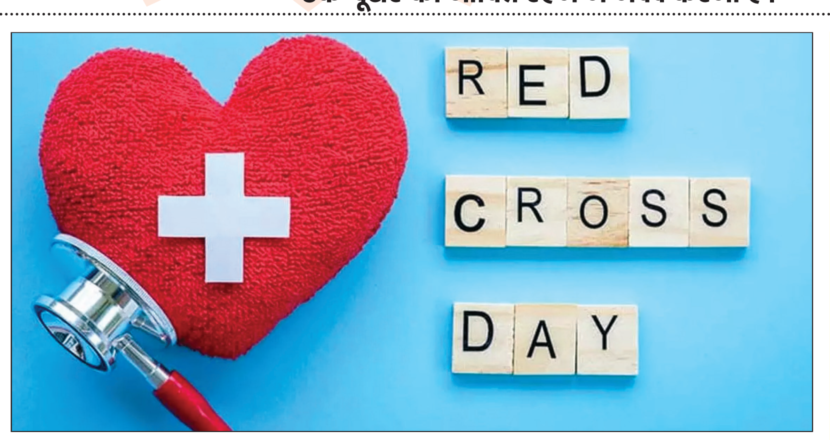

चुनौतियां और 21वीं सदी का परिदृश्य

आज 2026 में रेडक्रॉस के सामने चुनौतियां बदल गई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अब आपदाएं अधिक भीषण और अनिश्चित हो गई हैं। साइबर युद्ध और जैविक खतरों ने भी मानवीय सहायता के स्वरूप को बदल दिया है। लेकिन 'यूनाइटेड इन ह्यूमैनिटी' का नारा देने वाली यह संस्था नई तकनीकों का इस्तेमाल कर अब डेटा और एआई के जरिए आपदाओं का पूवार्नुमान भी लगा रही है ताकि कम से कम जान-माल का नुकसान हो। विश्व रेडक्रॉस दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि सेवा के इस कार्य में हमें केवल सरकारों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। आज दुनिया भर में लगभग 1.5 करोड़ से अधिक स्वयंसेवक रेडक्रॉस से जुड़े हैं। वे साधारण लोग हैं– छात्र, शिक्षक, डॉक्टर और सेवानिवृत्त कर्मचारी– जो अपना समय और ऊर्जा मानवता के लिए दान करते हैं। **हमारा दायित्व है**- रेडक्रॉस का लाल प्रतीक चिन्ह हमें यह संदेश देता है कि जब सब कुछ ढह रहा हो, तब भी उम्मीद बाकी रहती है। इस दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम भी अपने स्तर पर 'मानवता को जीवित रखने' का प्रयास करेंगे। चाहे वह रक्तदान हो, प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण लेना हो या संकट के समय किसी की आर्थिक मदद करना। हेनरी ड्यूनेंट ने कहा था कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ हर इंसान सुरक्षित महसूस करे। आज 8 मई को, आइए हम उन गुमनाम नायकों को सलाम करें जिन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। रेडक्रॉस केवल एक संस्था नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी ईश्वरीय दया का मूर्त रूप है।

आपदा प्रबंधन का सशक्त चेहरा

भारत में 'इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी' की स्थापना 1920 में हुई थी। आज भारत में इसकी 1100 से अधिक शाखाएं हैं जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक सक्रिय हैं। भारतीय रेडक्रॉस ने न केवल युद्धों (1962, 1965, 1971) के दौरान अद्भुत कार्य किया, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में भी इसकी भूमिका अतुलनीय रही है। चाहे वह ओडिशा का चक्रवात हो, गुजरात का भूकंप या हाल के वर्षों में उत्तराखंड की बाढ़– रेडक्रॉस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से होते हैं। भारत में रेडक्रॉस की सबसे बड़ी उपलब्धि इसके 'ब्लड बैंक' और 'प्राथमिक चिकित्सा' प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं। देश का एक बड़ा हिस्सा आज सुरक्षित रक्तदान के लिए रेडक्रॉस पर निर्भर है। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब पूरी दुनिया घरों में कैद थी, रेडक्रॉस के स्वयंसेवक ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने से लेकर लोगों को भोजन मुहैया कराने तक अग्रिम मोर्चे पर डटे रहे।

विश्व थैलेसिमिया दिवस

जन्म से पहले पहचान और समय पर इलाज से थैलेसिमिया से बचा जा सकता है

आज 8 मई है- 'विश्व थैलेसिमिया दिवस'। यह दिन केवल एक बीमारी की चर्चा का नहीं, बल्कि उन मासूमों के संघर्ष को सलाम करने का है जो हर महीने अपने शरीर में नया रक्त चढ़ाने की पीड़ा से गुजरते हैं। थैलेसिमिया एक गंभीर आनुवंशिक रक्त विकार है, जिससे पीड़ित बच्चों के शरीर में हीमोग्लोबिन का निर्माण नहीं हो पाता और वे ताउम्र दूसरों द्वारा किए गए रक्तदान पर निर्भर रहते हैं। वर्ष 2026 में इस दिवस का उद्देश्य समान पहुंच, बेहतर देखभाल पर केंद्रित है। चिकित्सा जगत का मानना है कि यदि समाज जागरूक हो जाए, तो इस बीमारी को अगली पीढ़ी में जाने से शत-प्रतिशत रोका जा सकता है।

थैलेसिमिया क्या है

थैलेसिमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। इसके कारण व्यक्ति को गंभीर एनीमिया (खून की कमी) हो जाती है। **थैलेसिमिया माइनरः** ये वे लोग हैं जिनमें बीमारी के लक्षण नहीं दिखते, लेकिन वे इसके वाहक होते हैं। **थैलेसिमिया मेजरः** यदि माता और पिता दोनों 'माइनर' हैं, तो उनके बच्चे को 'थैलेसिमिया मेजर' होने की 25% संभावना होती है। ऐसे बच्चों को जीवित रहने के लिए हर 15 से 20 दिनों में रक्त चढ़ाना पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में हर साल लगभग 10,000 से 15,000 बच्चे थैलेसिमिया मेजर के साथ पैदा होते हैं। इस त्रासदी को रोकने का सबसे सरल तरीका है 'जागरूकता'। प्रसिद्ध हेमेटोलॉजिस्ट्स का तर्क है कि शादी से पहले जिस तरह हम गुणों और कुंडली का मिलान करते हैं, उसी तरह एक साधारण 'HbA2' ब्लड टेस्ट करवाना अनिवार्य होना चाहिए। यदि विवाह करने वाले जोड़े में से कोई एक भी वाहक नहीं है, तो बच्चा सुरक्षित रहेगा। यदि दोनों वाहक (Minor) हैं, तो गर्भावस्था के दौरान शुरूआती जांच से बीमारी का पता लगाया जा सकता है। थैलेसिमिया पीड़ितों के लिए जीवन आसान नहीं होता। बार-बार रक्त चढ़ाने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे हृदय और लिवर को नुकसान पहुंचता है। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान ने अब काफी तरक्की कर ली है- **बोन मैरो ट्रांसप्लांट** : यह इस बीमारी का एकमात्र स्थायी इलाज माना जाता है, हालांकि यह महंगा और जटिल है। **जीन थेरेपीः** शोध दशार्ते हैं कि जीन थेरेपी आने वाले समय में थैलेसिमिया के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। **दवाओं में सुधारः** अब ऐसी दवाएं उपलब्ध हैं जो शरीर से अतिरिक्त आयरन को आसानी से निकाल देती हैं, जिससे रोगियों की जीवन प्रत्याशा बढ़ी है।

सरकार और समाज की भूमिका

भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन' के तहत थैलेसिमिया की जांच और उपचार के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कई राज्यों में थैलेसिमिया मरीजों को मुफ्त रक्त और दवाइयां मुहैया कराई जा रही हैं। छत्तीसगढ़ और पंजाब जैसे राज्यों में विशेष क्लीनिक और डे-केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। लेकिन सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। रेडक्रॉस और अन्य स्वयंसेवी संस्थाएं इन बच्चों के लिए निरंतर रक्तदान शिविर आयोजित करती हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया एक यूनिट रक्तदान, किसी थैलेसिमिया पीड़ित बच्चे के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। विश्व थैलेसिमिया दिवस पर हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम इस बीमारी के प्रति शर्म या झिझक को त्यागकर विज्ञान को अपनाएं। यदि हम 'थैलेसिमिया मुक्त भारत' चाहते हैं, तो हमें हर गर्भवती महिला की अनिवार्य जांच और युवाओं को शादी से पहले स्क्रीनिंग के लिए प्रोत्साहित करना होगा। याद रखिए, थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चा कमजोर नहीं होता, वह एक योद्धा होता है जो हर दिन अपनी सांसों के लिए लड़ता है। हमारा कर्तव्य है कि हम उसे वह रक्त और वह सम्मान दें, जिसका वह हकदार है।

सिटको मदर्स डे को स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ मनाने के लिए तैयार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

10 मई 2026 को मनाए जाने वाले मदर्स डे के अवसर पर सिटको विशेष ऑफर्स, लजीज व्यंजनों और ताजा बेक्ड मिठाइयों के साथ इस खास दिन को माताओं और उनके परिवारों के लिए यादगार बनाने जा रहा है। इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए होटल माउंटव्यू की पैटिसरी में मदर्स डे के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए ताजा ड्राई केक और क्रीम बेस्ड केक की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध रहेगी। ग्राहक इन विशेष केकों के लिए एक दिन पहले ऑर्डर दे सकते हैं।

होटल माउंटव्यू में 10 मई 2026 को आ ला कार्ट फूड पर 20% की छूट दी जाएगी। साथ ही, अपनी माताओं के साथ आने वाले पहले 10 अतिथियों को ताजा बेक किया गया छोटा केक निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। होटल शिवालिकव्यू के क्लाउड-9 रेस्टोरेंट और कॉफी शॉप में मदर्स डे के अवसर पर आ ला कार्ट फूड पर 20% की छूट दी जाएगी, ताकि परिवार स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ इस अवसर का आनंद उठा सकें। मदर्स डे के अवसर पर शेफ लेकव्यू, सुखना लेक में भी फूड पर 10% की छूट दी जाएगी।

सिटको के प्रबंध निदेशक डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह के अनुसार, सिटको आतिथ्य, उत्कृष्ट खानपान और नवाचारपूर्ण आयोजनों के माध्यम से जीवंत उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे अवसर सिटको को अपने ग्राहकों के साथ संबंधों को और मजबूत करने तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता और आत्मीयता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। आने वाले सप्ताह में सिटको अपने विभिन्न आतिथ्य इकाइयों में विशेष प्रमोशन और थीम आधारित ऑफर्स के साथ अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस भी मनाएगा।

सिटको के मुख्य महाप्रबंधक श्री नवीन, डेनिक्स के अनुसार, मदर्स डे प्रेम, स्नेह और पारिवारिक एकता का उत्सव है। इन विशेष ऑफर्स और पाक अनुभवों के माध्यम से सिटको परिवारों के लिए यादगार पल बनाने और माताओं को उनके विशेष दिन पर सम्मानित महसूस कराने का प्रयास कर रहा है। चंडीगढ़, 7 मई, 2026: आज चंडीगढ़ प्रशासन के गृह सचिव श्री मंदीप सिंह बराड़, आईएएस की अध्यक्षता में चंडीगढ़ पुलिस एवं चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आईजीपी/यूटी श्री पुष्पेंद्र कुमार, एसएसपी/सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक श्री सुमेर प्रताप सिंह, एसएसपी/यूटी सुश्री कंवरदीप कौर, एसपी/मुख्यालय एवं क्राइम श्री मनजीत श्योराण, एसपी/साइबर एवं ऑपरेशंस सुश्री गीतांजलि खंडेलवाल, एलआर-कम-डायरेक्टर प्रॉसिक्यूशन श्री सूर्य चंदर कांत, मुख्य अभियंता श्री सी.बी. ओझा, मुख्य वास्तुकार श्री राजीव मेहता तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान यूटी चंडीगढ़ में तीनों नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई। नए पुलिस स्टेशनों के निर्माण से संबंधित प्रगति एवं चल रही आधारभूत संरचना परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। चंडीगढ़ पुलिस में मानव संसाधन सृजन से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई।

गृह सचिव ने निर्देश दिए कि विशेष रूप से जघन्य अपराधों, एनडीपीएस मामलों तथा साइबर अपराधों में दोषसिद्धि दर बढ़ाने के लिए केंद्रित प्रयास किए जाएं। आधुनिक फॉरेंसिक एवं वैज्ञानिक उपकरणों को अपनाते हुए पेशेवर, साक्ष्य-आधारित एवं समयबद्ध जांच पर जोर दिया गया। जांच अधिकारियों के लिए अपराध स्थल प्रबंधन, साइबर फॉरेंसिक, डिजिटल साक्ष्य विश्लेषण एवं कानूनी प्रक्रियाओं से संबंधित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों तथा विशेष प्रशिक्षण पर भी बल दिया गया। गृह सचिव ने वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण एवं डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन के लिए ई-साक्ष्य के प्रभावी उपयोग के निर्देश भी दिए।

साइबर अपराधों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। गृह सचिव ने निर्देश दिए कि व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं तथा मानक संचालन प्रक्रियाएं (रडढ२) लागू की जाएं। साथ ही उभरते साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु संस्थागत क्षमता एवं विशेष कौशल को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। यातायात प्रबंधन उपायों की समीक्षा करते हुए गृह सचिव ने निर्देश दिए कि ट्रैफिक सिग्नल प्रबंधन प्रणाली को यातायात की मात्रा के अनुरूप अधिक गतिशील बनाया जाए, ताकि यातायात सुचारु हो तथा जाम की स्थिति में कमी लाई जा सके। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस द्वारा हाल ही में लागू किए गए बॉडी-वॉर्न कैमरों की भी समीक्षा की तथा पारदर्शिता, जवाबदेही एवं बेहतर प्रवर्तन सुनिश्चित करने हेतु उनके प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

एनएचएआई दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के किनारे ट्रीज फॉर बीज परागण गलियारों के माध्यम से जैव विविधता को देगा बढ़ावा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पर्यावरण के अनुकूल राष्ट्रीय राजमार्ग विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़, आगामी मानसून सत्र के दौरान दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के चिन्हित हिस्सों पर परागण (मधुमक्खी) गलियारों के विकास का कार्य शुरू करने जा रहा है। यह पहल ग्रीन हाईवेज पॉलिसी, 2015 तथा स्वीकृत वार्षिक वृक्षारोपण कार्ययोजना 2026-27 के अनुरूप है, जो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील वृक्षारोपण पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएचएआई के अध्यक्ष की परिकल्पना के तहत शुरू किए गए ह्लट्रीज फॉर बीजह्व अभियान का उद्देश्य ऐसी पौध प्रजातियों को बढ़ावा देना है जो मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के लिए उपयोगी हों तथा किसानों की फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायक बनें। इसके अंतर्गत प्रस्तावित गलियारों में मधुमक्खियों के अनुकूल वनस्पतियों की निरंतर श्रृंखला विकसित की जाएगी, जिनमें ऐसे पुष्पीय पौधों का चयन किया जाएगा जो पूरे वर्ष मधुरस (नेक्टर) और पराग उपलब्ध कराते रहें।

स्वीकृत कार्ययोजना 2026-27 के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में कुल 3,86,653 पौधे लगाए जाने का प्रस्ताव है, जिनमें– पंजाब में : 1,48,725 पौधे और हरियाणा में : 2,37,928 पौधे से वृक्षारोपण कार्य आगामी मानसून मौसम में किया जाएगा ताकि अनुकूल जलवायु परिस्थितियों का लाभ लेते हुए पौधों की बेहतर वृद्धि और अधिक जीवित रहने की संभावना सुनिश्चित की जा सके। मधुमक्खियाँ और अन्य परागणकर्ता कृषि, बागवानी और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, पर्यावरणीय और प्रदूषण संबंधी विभिन्न कारणों से इनकी संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे किया जाने वाला वृक्षारोपण, उपयुक्त पौध प्रजातियों के चयन और योजनाबद्ध रोपण के माध्यम से इनके लिए अनुकूल आवास तैयार करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस पहल के तहत निम्नलिखित हिस्सों को कार्यान्वयन के लिए चिन्हित किया गया है–

पंजाबः भवानीगढ़ के निकट पटियाला-बठिंडा रोड (एनएच-7) के जंक्शन से भोगीवाल गांव के निकट लुधियाना-मलेरकोटला रोड के जंक्शन तक। हरियाणाः दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, पैकेज-5 (एनई-5)। इन गलियारों में नीम, जामुन, अर्जुन, अमलतास, पीपल, कदंब, आंवला और नीली गुलमोहर जैसी देशी एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल प्रजातियों के साथ-साथ मध्य पट्टियों (मीडियन) में उपयुक्त झाड़ीदार पौधे लगाए जाएंगे। पौध प्रजातियों का चयन इस प्रकार किया गया है कि विभिन्न मौसमों में क्रमिक रूप से फूल खिलते रहें और लगभग पूरे वर्ष परागणकर्ताओं को पुष्प उपलब्ध हों।

पारिस्थितिक संपर्क को मजबूत करने के लिए लगभग 500 मीटर से 1 किलोमीटर की दूरी पर फूलदार वृक्षों के समूह लगाए जाएंगे, जो परागणकर्ताओं की औसत भोजन खोज सीमा के अनुरूप होंगे। ट्रीज फॉर बीज शीर्षक से चलाए जाने वाले इस विशेष अभियान को स्वीकृत वार्षिक वृक्षारोपण कार्ययोजना 2026-27 के अंतर्गत बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय भार के लागू किया जाएगा।

बीमाकृत व्यक्तियों के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य शुभारंभ

फरीदाबाद
सिटी दर्पण संवाददाता

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, फरीदाबाद में 40 वर्ष से अधिक आयु के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य शुभारंभ ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल , फरीदाबाद में आज 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के बीमाकृत व्यक्तियों के लिए 'निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर' का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण भारत में माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्य व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दिल्ली से शुभारंभ किया। स्थानीय स्तर पर, फरीदाबाद में इस कार्यक्रम की शुरूआत माननीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर माननीय विधायक श्री सतीश कुमार फागना, पार्षद श्रीमती गायत्री देवी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। सभी जांचों का विस्तृत रिकॉर्ड ईएसआईसी के डेटाबेस में सुरक्षित रखा जाएगा ताकि भविष्य में उपचार के दौरान इनका संदर्भ लिया जा सके। यह स्वास्थ्य जांच अब एक नियमित कार्यक्रम बन गया है। 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी बीमाकृत व्यक्तियों के लिए साल में एक बार अपनी जांच कराना अनिवार्य होगा। फरीदाबाद और हरियाणा क्षेत्र के लगभग 3 लाख से अधिक बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसी प्रकार के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। आज आयोजित इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। उद्घाटन के पहले ही दिन 400 से अधिक बीमाकृत व्यक्तियों ने अपना पंजीकरण कराया और स्वास्थ्य जांच सुविधाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। समय पर बीमारी का पता चलने से न केवल जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि स्वास्थ्य पर होने वाले अतिरिक्त खर्च को भी कम किया जा सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा ने विस्तृत योजना बनाई है जिससे प्रतिदिन कम-से-कम 300 बीमाकृत व्यक्ति अस्पताल आकर अपनी स्वास्थ्य जाँच करा सकें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के तहत ग्रिड में स्टाफ हेतु योग सत्र आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

गवर्नमेंट रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फॉर इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज (ग्रिड), सेक्टर-31, चंडीगढ़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के तहत चल रहे पांच दिवसीय कार्यक्रम के चौथे दिन स्टाफ सदस्यों के लिए विशेष कॉमन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा योग आयोग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। 4 से 8 मई तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष शिक्षा से जुड़े पेशेवरों के बीच समग्र स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना है। सत्र में लगभग 50 स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र की शुरूआत प्रार्थना से हुई, जिसके बाद वार्म-अप अभ्यास, योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान कराया गया तथा समापन शांति पाठ के साथ हुआ। गतिविधियों का उद्देश्य दैनिक कार्य जीवन में शारीरिक फिटनेस, मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देना रहा। सत्रों का संचालन योग विशेषज्ञ सुश्री मनीषा शर्मा तथा हरियाणा योग आयोग की डॉ. जसप्रीत कौर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम डॉ. अजीत सिडाना एवं डॉ. जयदीप आर्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार, डॉ. एम. करुप्पासामी, डॉ. रीना जैन, श्री विशाल सभ्रवाल, श्री संदीप शर्मा, श्री शशि सिन्हा एवं श्रीमती स्नेह लता उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ग्रिड के संयुक्त निदेशक डॉ. अजीत सिडाना ने कार्यस्थल के तनाव को कम करने एवं मानसिक दृढ़ता बढ़ाने में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री संदीप शर्मा ने विशेष शिक्षा पेशेवरों के लिए योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नियमित योग अभ्यास धैर्य, संवेदनशीलता एवं भावनात्मक संतुलन विकसित करने में सहायक है।

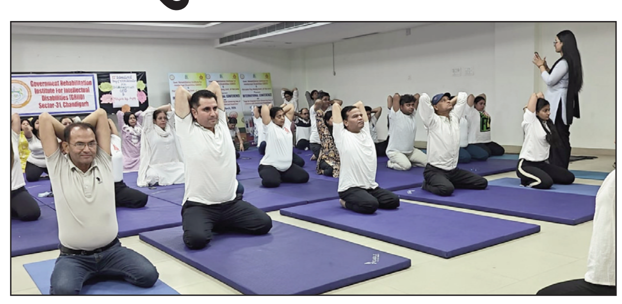

संक्षिप्त-समाचार

गांधी चौक से हंडिया मोहल्ला तक स्वच्छता और विकास कार्यों का निरीक्षण

पंचकूला/कालका । पंचकूला के नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार के निर्देशानुसार नगर परिषद कालका के कार्यकारी अधिकारी एवं उप नगर आयुक्त श्री अभे सिंह ने आज प्रातः 7:30 बजे गांधी चौक से हंडिया मोहल्ला क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद कालका के प्रधान श्री कृष्ण लाल लांबा, वार्ड नंबर 3 की पार्षद श्रीमती मंजू लता सहित अन्य गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। परिषद अभियंता श्री दीपक सुखेजा, कनिष्ठ अभियंता श्री अजय कुमार, सफाई निरीक्षक श्री अंकित कुमार, सहायक सफाई निरीक्षक श्री अनिल कुमार तथा अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी में प्रातःकालीन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, साफ-सफाई व्यवस्था, जलभराव वाले क्षेत्रों, बिजली व्यवस्था एवं चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही नागरिकों की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए। मौके पर ही संबंधित एजेंसियों एवं अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने रिहायशी मकान में स्वयं डंगा लगवाने पर व वन विभाग द्वारा रोकने को लेकर विभाग को किया तलब

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में गांव समलोठा, भोजकूदाना ब्लॉक मोरनी में रिहायशी मकान पर स्वयं डंगा लगाने व वन विभाग द्वारा रोके जाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए वन विभाग इस मामले में की गई कार्रवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने पिंजौर ब्लॉक के गांव कोडावाला के कुलदीप की पेयजल पाईप डलवाने की मांग पर जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी विभाग के संबंधित अधिकारी से पाईप के बारे में पूछा गया, जिस पर अधिकारी ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि पाईप डलवाने का अस्टिमेट बनाकर मुख्यालय में स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है। उपायुक्त ने शिकायतकर्ता को मुख्यालय से स्वीकृति के बाद जल्द से जल्द पेयजल पाईप डलवाने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने समाधान शिविर में 9 जिलावासियों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब के समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर जिला प्रशासन की सुविधाओं का लाभ मिल सके।

13 मई को सुप्रीम कोर्ट में होगी चण्डीगढ़ हाउसिंग स्कीम मामले की सुनवाई

चंडीगढ़ । वर्ष 2008 में यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा बेघर कर्मचारियों के लिए शुरू की गई हाउसिंग योजना का मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस योजना के तहत 3,920 कर्मचारियों को ड्रा ऑफ लॉट्स के माध्यम से सफल घोषित किया गया था, लेकिन बाद में प्रशासन द्वारा फ्लैटों का आवंटन नहीं किया गया, जिससे हजारों कर्मचारी लंबे समय से परेशानी का सामना कर रहे हैं। प्रभावित कर्मचारियों ने इस मामले को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ी। लगभग 13 वर्षों तक चले संघर्ष के बाद हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रशासन को निर्देश दिए कि सफल कर्मचारियों के लिए फ्लैटों का निर्माण कर उन्हें मूल भूमि लागत तथा वर्तमान निर्माण लागत पर आवंटित किया जाए। हालांकि, यूटी प्रशासन ने हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए भूमि की कीमत मौजूदा बाजार दरों के अनुसार वसूलने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि प्रशासन की यह मांग स्वीकार हो जाती है, तो उन पर कई गुना अधिक आर्थिक बोझ पड़ जाएगा। एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन, चण्डीगढ़ के महासचिव विजय जुनेजा ने बताया कि 2,143 कर्मचारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता राजीव भल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में प्रशासन की मांग का विरोध करते हुए मामले की शीघ्र सुनवाई की मांग की।

श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव में उमड़ा सैलाब

चंडीगढ़। प्राचीन श्री गुग्गा माड़ी हनुमान मन्दिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पारायण ज्ञान यज्ञ महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के वातावरण में निरंतर जारी है। इस पावन आयोजन में सांसद मनीष तिवारी ने भी पहुंचकर कथा श्रवण की तथा आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। कथा का रसपान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आचार्य भगवान भैया जी द्वारा कराया जा रहा है। उनकी मधुर वाणी, सरल शैली एवं गूढ़ आध्यात्मिक व्याख्या से श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं। कथा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म, भक्ति और संस्कारों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अपने प्रेरणादायी प्रवचन में आचार्य श्री भगवान भैया जी ने श्रीकृष्ण की दामोदर लीला का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि यशोदा जीव हैं और श्रीकृष्ण स्वयं ब्रह्म हैं। उन्होंने कहा कि जब माता यशोदा ने बाल कृष्ण को ओखली से बांधा, तभी भगवान दामोदर कहलाए। यह वह कृपा प्रसाद है, जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश को भी सहज रूप से प्राप्त नहीं हुआ, किंतु माता यशोदा को मातृत्व प्रेम के कारण प्राप्त हो गया।

अटल इनोवेशन मिशन ने एआईएम संवाद का आयोजन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
दिल्ली/मोहाली

इनक्यूबेटर्स को मजबूत करने, समावेशी नवाचार और राज्य-केंद्र सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर

अटल इनोवेशन मिशन नीति आयोग ने मोहाली में क्षेत्रीय एआईएम संवाद (उत्तर संस्करण) का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत, इनक्यूबेटर्स, स्टार्टअप्स और नवाचार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य राज्य और केंद्र के बीच सहयोग को मजबूत करना और क्षेत्र में इनक्यूबेटर्स का मजबूत नेटवर्क तैयार करना था। साथ ही, नवाचार के माहौल को बेहतर बनाने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

इस बैठक में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और दिल्ली के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्टार्टअप से जुड़े संगठनों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के लोगों और अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भाग लिया। संवाद के दौरान इनक्यूबेटर्स को मजबूत करने, राज्यों की नवाचार पहलों को आगे बढ़ाने और सरकार, शिक्षा संस्थानों, इनक्यूबेटर्स तथा उद्योग के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा हुई। इसमें नवाचार के जरिए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और नए क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए अवसर बढ़ाने पर खास ध्यान दिया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं चेयरमैन सतनाम सिंह संधू ने अटल इनोवेशन मिशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें क्षेत्रीय क्षमताओं को जोड़ते हुए देश में नवाचार को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता और नवाचार, प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब और जम्मू-कश्मीर में युवाओं में आगे बढ़ने की ऊर्जा और शिक्षा की मजबूत नींव है, जिससे दोनों राज्यों के स्टार्टअप्स और उद्योग को नए अवसर मिलेंगे।

अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग के मिशन निदेशक श्री दीपक बगला ने कहा, इनक्यूबेटर्स स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अक्ट इनक्यूबेटर्स को बेहतर सुविधाएं, मार्गदर्शन, फंडिंग और बाजार से जुड़ाव देने पर काम कर रहा है। अक्ट संवाद जैसी पहल से राज्यों, उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के बीच बेहतर जुड़ाव बन रहा है, जिससे नवाचार का माहौल और मजबूत होगा। हिमाचल प्रदेश की उद्योग महानिदेशक श्रीमती दीपिका राणा खत्री ने भी राज्यों के बीच बेहतर समन्वय और केंद्र की योजनाओं के साथ तालमेल की जरूरत पर जोर दिया, ताकि स्टार्टअप्स की सफलता और विकास को बढ़ाया जा सके।

इसके अलावा अस्पतालों में इनक्यूबेटर्स विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. आशीष चौधरी, निदेशक, आकाश हेल्थकेयर ने मेडटेक और स्वास्थ्य क्षेत्र में नए स्टार्टअप्स के अवसरों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की एक खास उपलब्धि पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर इनक्यूबेशन कंसोर्टियम झ्र ढक फ्ऋअल्ठक की शुरूआत रही, जिसका उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाना और युवाओं, स्टार्टअप्स तथा उद्योग के लिए नए अवसर तैयार करना है। यह संवाद जानकारी साझा करने, सहयोग बढ़ाने और नीतियों पर चर्चा के लिए एक मजबूत मंच साबित हुआ, जो देश में नवाचार आधारित विकास को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इस अवसर पर दीपिंदर ढिल्लों (संयुक्त निदेशक, स्टार्टअप पंजाब), प्रसाद मेनन (सीईओ, क्र्इअ), डॉ. आशीष चौधरी (एमडी, आकाश हॉस्पिटल्स एवं अज्योर लैब्स) और प्रतीक देशमुख (प्रोग्राम लीड, अक्ट, नीति आयोग) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य में सहयोग करें, सही जानकारी दें : उपायुक्त सतपाल शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि राज्यभर में 1 मई से वास्तविक हाउस लिस्टिंग एवं जनगणना कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने जिलावासियों से अपील की कि वे घर-घर जाकर डेटा एकत्र करने वाले प्रगणकों को सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि जनगणना का कार्य समयबद्ध और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि नागरिकों को प्रगणकों द्वारा पूछे गए सभी सवालों का सही उत्तर देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान प्रगणक किसी भी नागरिक से पैन कार्ड, आधार कार्ड, ओटीपी या अन्य किसी प्रकार का आईडी प्रूफ नहीं मांगते।

श्री सतपाल शर्मा ने नागरिकों से बिना किसी झिझक के आवश्यक जानकारी साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रगणक के पास

अधिकृत पहचान पत्र (आईडी कार्ड) होता है, जिसे नागरिक स्कैन कर उसकी सत्यता की पुष्टि कर सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि संबंधित व्यक्ति जनगणना कार्य के लिए नियुक्त अधिकृत पर्यवेक्षक है और किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका नहीं रहेगी।

उन्होंने जिलावासियों से आग्रह किया कि वे घर आने वाले प्रगणकों का सम्मानपूर्वक सहयोग करें और जनगणना प्रक्रिया को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा इसे किसी भी व्यक्ति या संस्था के साथ साझा नहीं किया जाएगा।

आयोजन | रंगों, रचनात्मकता व संस्कृति ने मोहा मनोहर का मन

सुपवा की प्रदर्शनी अभिव्यंजना में केंद्रीय मंत्री ने सराही छात्रों की कलात्मक प्रतिभा

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में आयोजित कला प्रदर्शनी अभिव्यंजना का गुरुवार को पांचवां दिन बेहद खास रहा। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने यूनिवर्सिटी परिसर पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय भाटिया व पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि मनोहर लाल ने इस दौरान आयोजित अवॉर्ड वितरण समारोह में फैकेल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया व यूनिवर्सिटी की कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। यूनिवर्सिटी आगमन पर कुलगुरु डॉ. अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा ने केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। राज्य सूचना आयुक्त अमरजीत सिंह ने भी समारोह में शिरकत की।

सबसे पहले यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में पारंपरिक तिलक लगाकर केंद्रीय मंत्री अभिनंदन किया गया। इसके बाद वह फैकेल्टी ऑफ डिजाइन में सजी कला प्रदर्शनी अभिव्यंजना का अवलोकन करने पहुंचे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत हुई, जिसके बाद फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के छात्रों ने अपनी खुद की बनाई कलाकृति भेंट कर उनका स्वागत किया। मनोहर लाल ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन किया और छात्रों से उनके काम के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने खुद भी कैनवस पर रंग भरकर अपनी रचनात्मक भागीदारी दर्ज कराई और छात्रों की प्रतिभा की सराहना की। प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा बनाए गए सेल्फी प्वाइंट सुपवा की सवारी पर तस्वीरें भी खिंचवाईं। इसके साथ ही विजिटर बुक में सुपवा परिवार के लिए अपना संदेश लिखते हुए हस्ताक्षर किए। प्रदर्शनी के अवलोकन के पश्चात केंद्रीय मंत्री ने एफटीवी विभाग के मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित छात्र सम्मान समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम और यूनिवर्सिटी के कुलगीत के साथ हुई। कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह व छात्रों द्वारा बनाया गया उनका आकर्षक पोर्ट्रेट भेंट किया। मौके पर केंद्रीय मंत्री ने यूनिवर्सिटी की कॉफी टेबल बुक का विधिवत विमोचन किया। कॉफी टेबल बुक में वर्तमान सत्र के दौरान आयोजित प्रमुख आयोजनों व यूनिवर्सिटी की सहभागिता को सहेजा गया है, जिसमें दिल्ली शब्दोत्सव, सांग समागम, भारंगम, सारंग व अक्षरम जैसे महत्वपूर्ण इवेंट्स शामिल हैं। इस दौरान डीसी सचिन गुप्ता, एसपी गौरव राजपुरोहित, एडीसी नरेंद्र कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क तथा भाषा विभाग के विशेष प्रचार प्रकोष्ठ के ओएसडी व गायक गजेंद्र फौगाट, यूनिवर्सिटी के एकेडमिक डीन डॉ अजय कौशिक, फैकेल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार के साथ अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

वन डिस्ट्रिक्ट वन आर्ट थीम पर हो काम : मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि वह काफी समय से इस यूनिवर्सिटी में आने की इच्छा रखते थे, लेकिन पहली बार यहां आकर उन्हें बेहद खुशी महसूस हुई। उन्होंने कहा कि कुलगुरु उनके पुराने साथी हैं और लंबे समय तक उनका काम देखा है, लेकिन यहां आकर उनका एक अलग व छुपा हुआ प्रतिभाशाली रूप देखने को मिला है। एक कलाकार अपनी भावनाओं व कलात्मक सोच को किस सीमा तक प्रस्तुत कर सकता है, वह इस प्रदर्शनी में आकर देखने को मिला। उन्होंने सुना था कि युवा अपनी पारंपरिक कला से जुड़ नहीं रहें हैं, लेकिन यहां आकर मेरी चिंता खत्म हो गई है। प्रदर्शनी का नाम अभिव्यंजना रखा गया है, जो खुद में ही सब कुछ बयां कर देते है। प्रदर्शनी में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज, लोक परंपराओं, विरासत व संस्कृति की झलक स्पष्ट दिखाई दी। कला व संस्कृति लोगों को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों को एक-दूसरे तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। हरियाणा को तेलंगाना से जोड़ा गया, जिससे लोगों को एक-दूसरे की भाषा, संस्कृति व परंपराओं को समझने का अवसर मिला।